रंगमोहल उतर दिशा की शोभा

पुखराज पहाड़
बंगलाजी

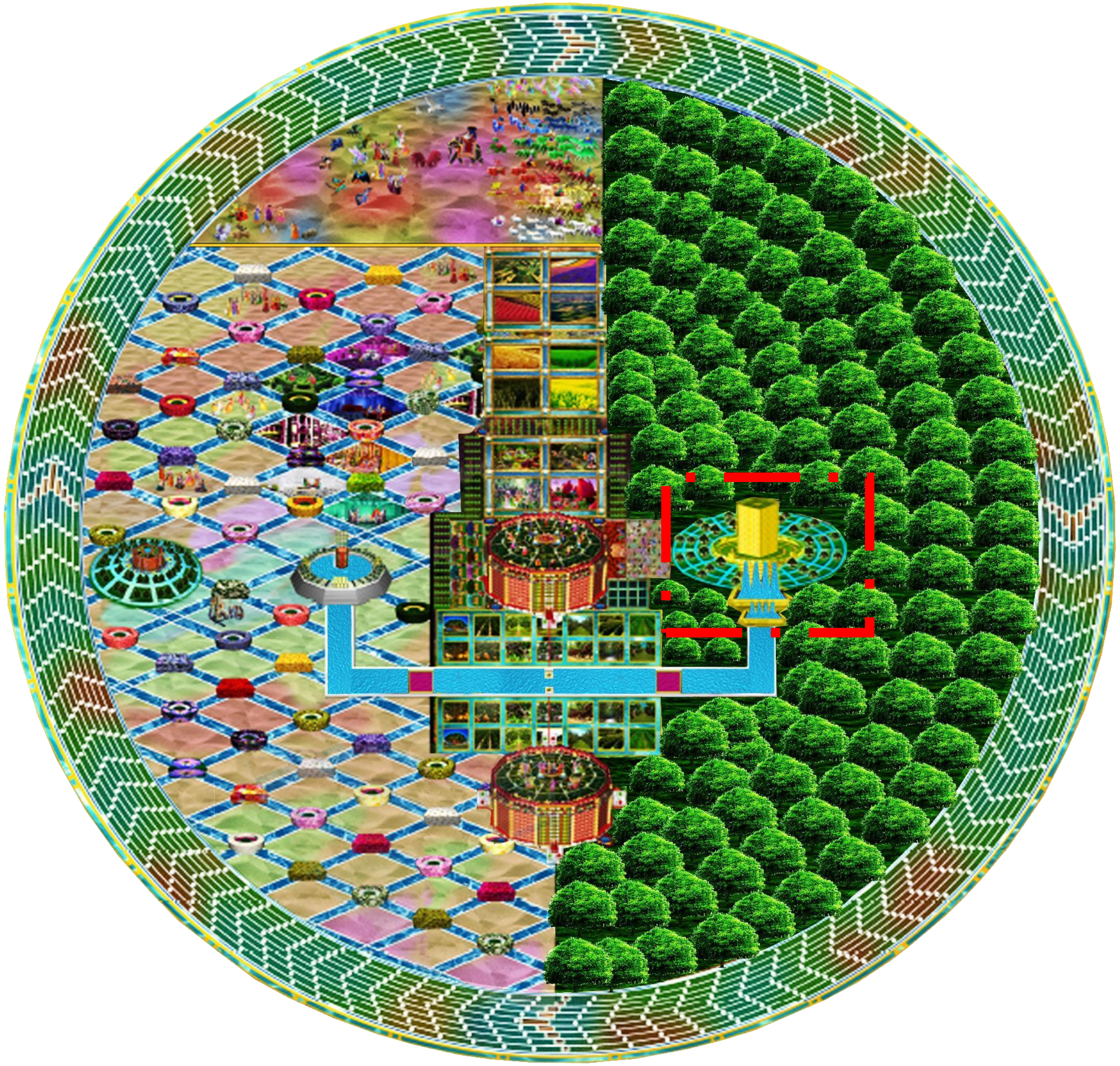

पुखराज पहाड़
बंगलजी की शोभा

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

परमधाम विहार

कृष्ण पक्ष (वद)	
अष्टमी	पुखरज पहाड़ की तलहटी
नवमी	पुखरज पहाड़ की हजार हांस की चादनी
दसमी	पुखरज पहाड़ का आकाशी महल
एकादशी	बंगलजी – पुखराजी ताल
द्वादशी	बंगलाजी
त्रयोदशी	अधबीच का कुण्ड'
चतुदर्शी	ढपो चबूतर , मूल कुण्ड

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

- ➢ पुखराज पहाड़
- ➢ पश्चिम की धाटी
- ➢ उतर की धाटी
- ➢ दक्षिण की नहेर
- ✓ बंगलाजी
- ➢ अधबीच का कुण्ड
- ➢ ढपो चबूतरा
- ➢ मूल कुण्ड

सुख लीजो मोमिन , पहाड़ मोहोल के आराम ।
अर्श अजीम के कायम , निसदिन एही ताम ।।

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

ए पर्वत इन भांत का , नैनों निमख न छोड़या जाए ।
क्यों कहूँ खूबी इन जुबाँ , देखत रह्या हिरदे भराए ।।

सुख क्यों कहूँ पहाड़ पुखराज के, और कहा कहूँ मोहोल तले।
ऊपर चौड़े मोहोल चढ़ते, मोहोल तीसरे तिन उपले।।

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

पुखराज पहाड़ के मध्य से यमुना जी का प्रगटन	
आधा पुखराज	66,666 कोस
चेहबच्चा	400 कोस
बंगला जी	1,00,000 कोस
अधबीच का कुंड	33,333 कोस
ढपो चबूतरा	11,111 कोस
मूल कुंड	3,700 कोस
कुल लम्बाई	2,15,210 कोस
बड़े हिसाब से	2,15,200 कोस

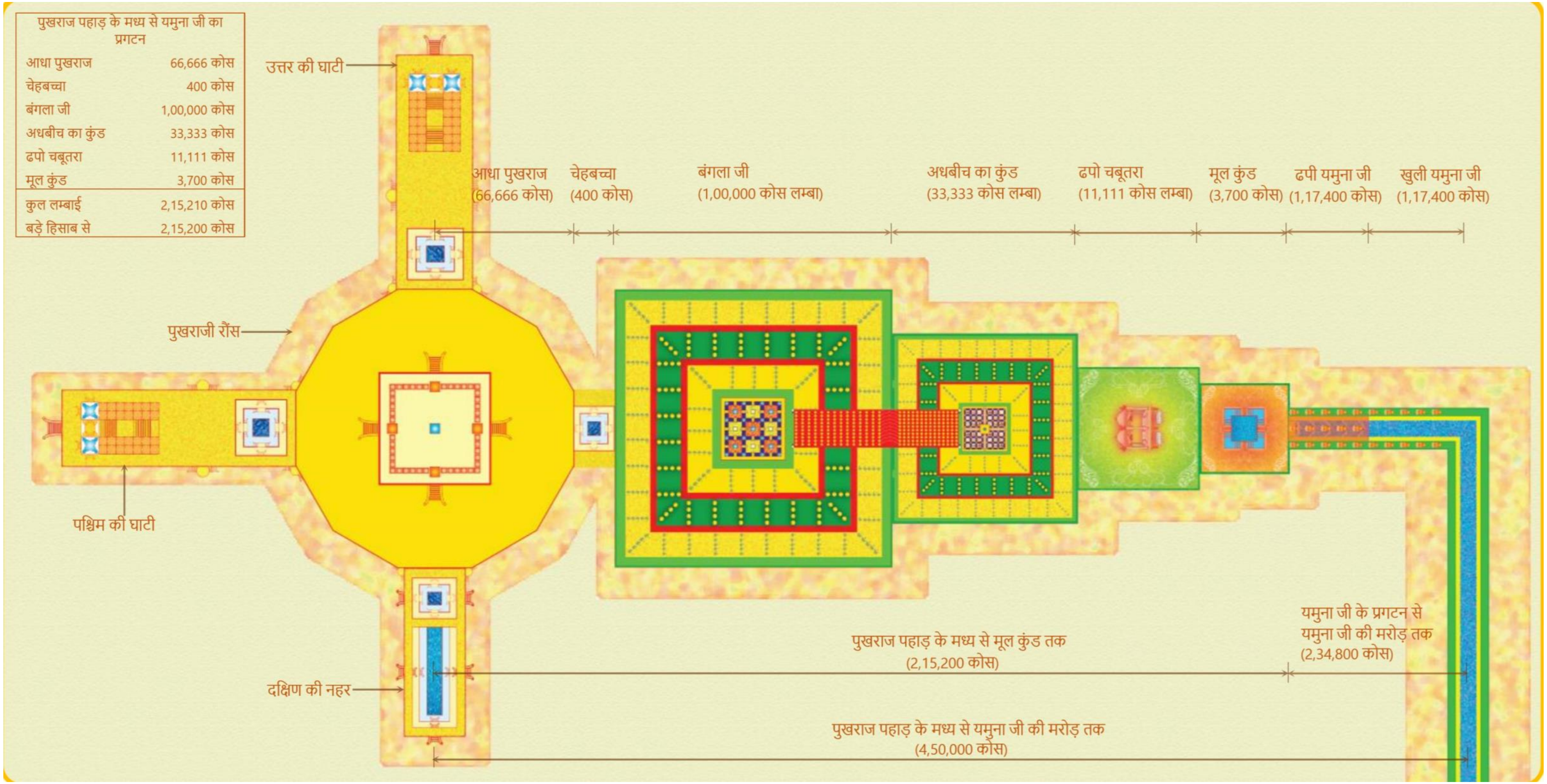

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

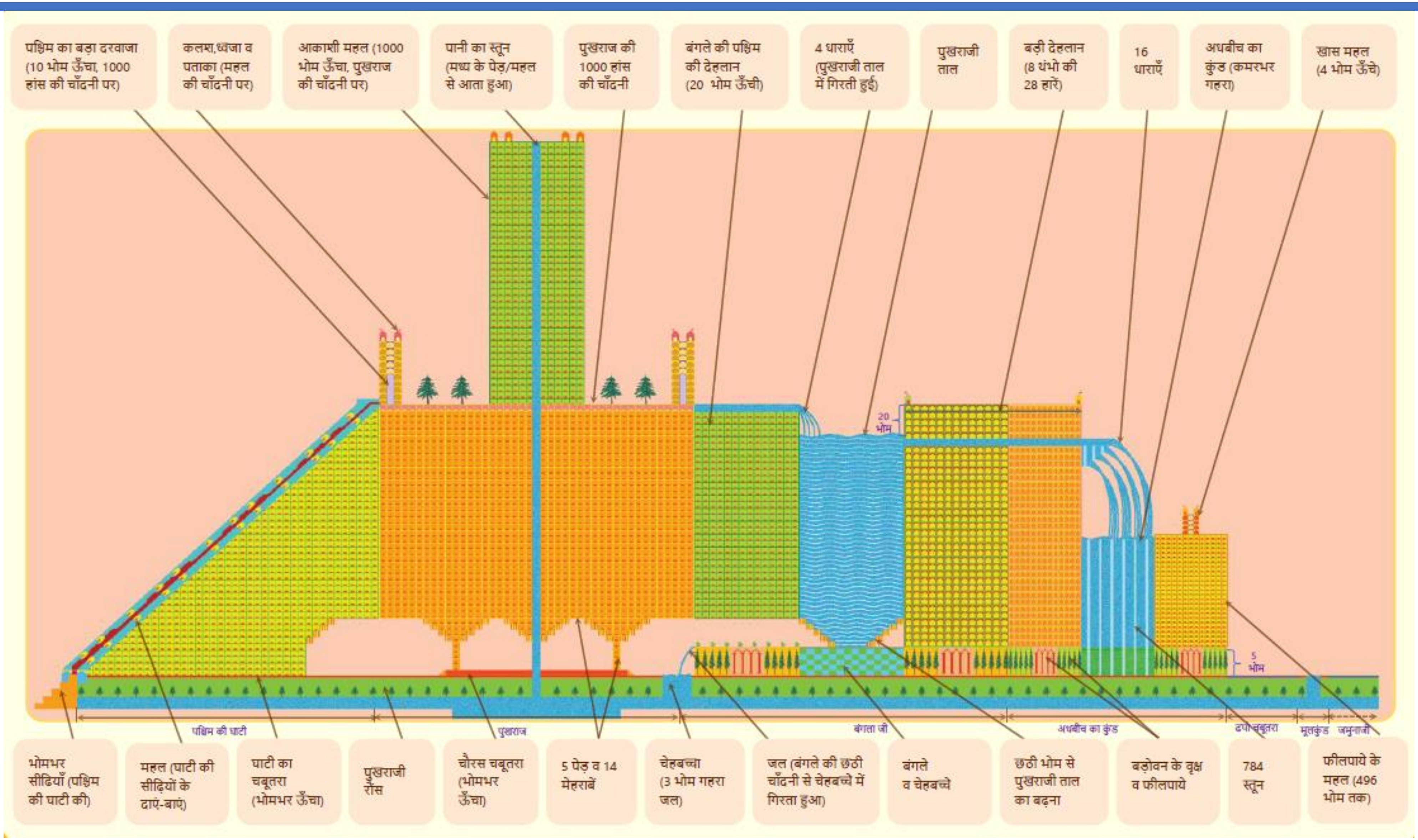

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – बंगलजी की शोभा

बंगलजी
100,000 कोस लंबा – चोड़ा

- तलहटी – 1 भोम नीचे
  - बगीचा – 38 हारें
  - महल – 39 हारें
  - ताल – 33,400 कोस लम्बा चोडा
- चबूतरा – 1 भोम ऊपर (5th भोम तक)
  - गुर्ज
  - सीडियाँ
  - बड़ों वन के वृक्ष – 5 हारें , 1 भोम – 5 भोम बराबर
  - फिलपायों – 4 हारें,1 भोम – 5 भोम बराबर
  - बंगले: 48 की 48, 5 भोम
  - चेहेबच्चे: 48 की 48
  - पूर्व की देहलान – 1000 भोम
- 6th भोम पर के छज्जे (5th से 980 भोम तक)
  - पुखराजी ताल
- 981 भोम की चादनी
  - पुखराजी ताल
  - जवेरों के महल – 20 भोम
  - बड़ों वन के वृक्ष – 20 भोम
  - पचिम की देहलान – 20 भोम
  - चार धाराय – 20 भोम से
  - पूर्व की देहलान

बंगलजी - तलहटी की शोभा

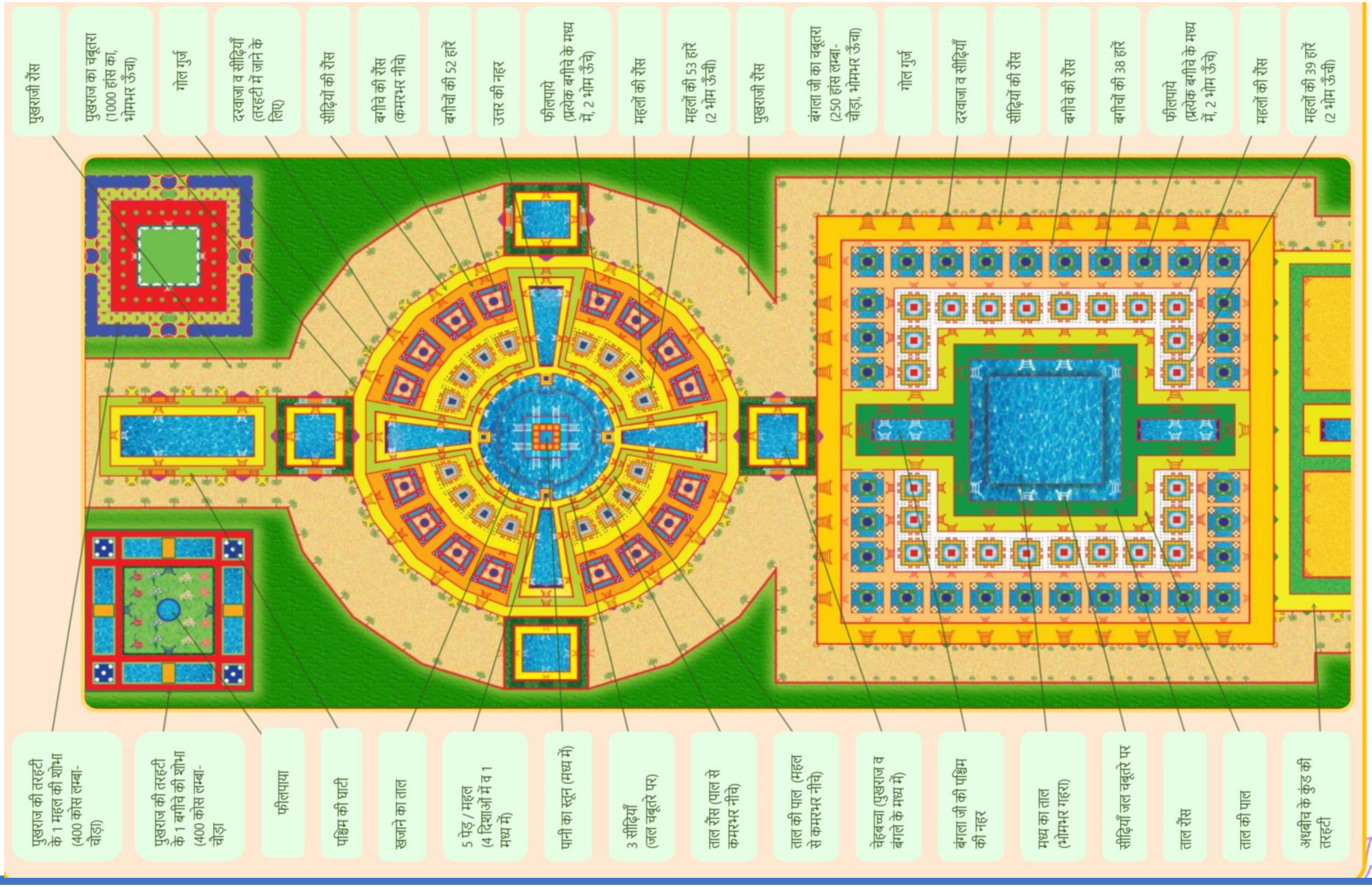

बंगलजी – तलहटी की शोभा

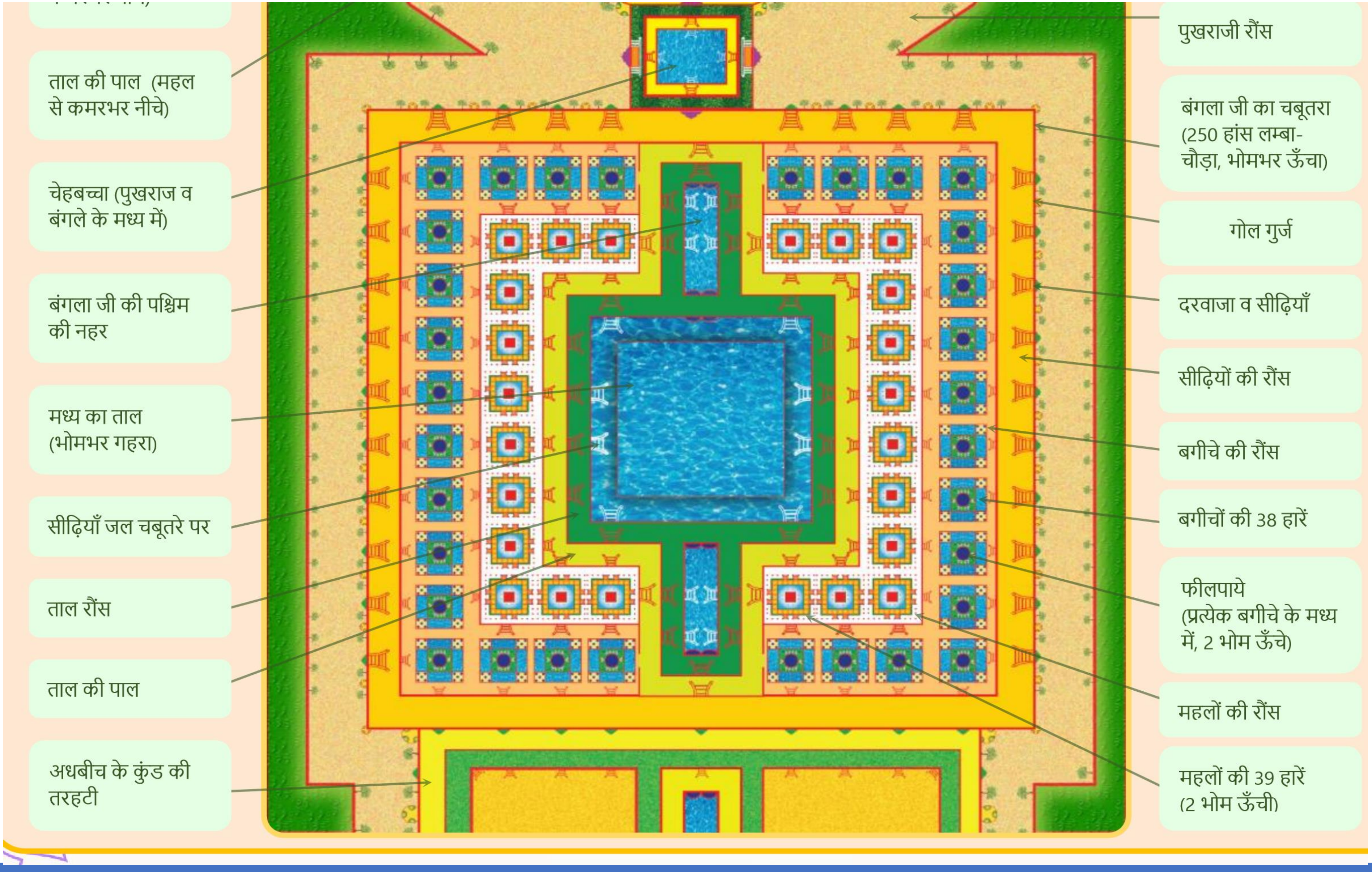

बंगलजी - तलहटी की शोभा

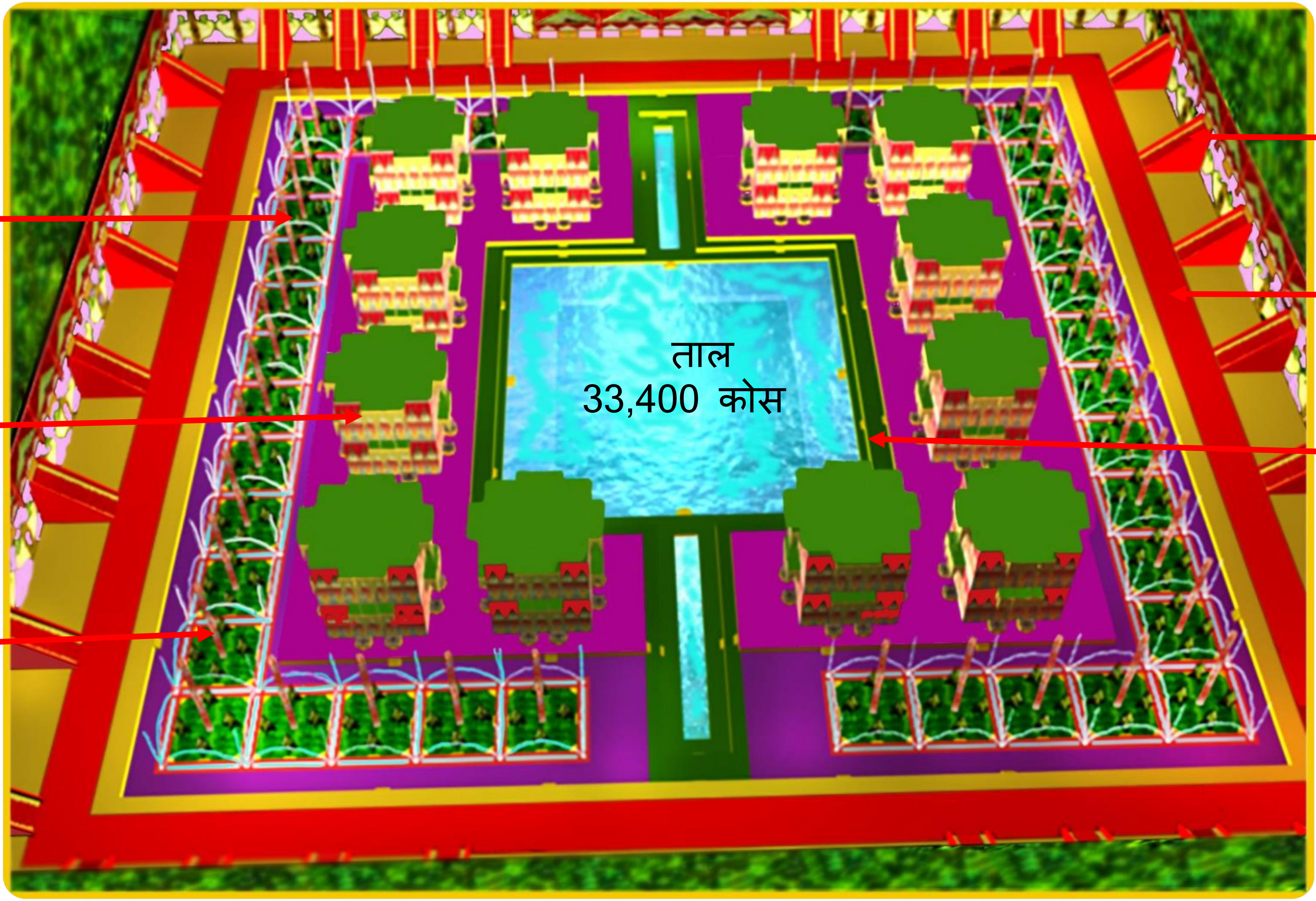

38 बगीचों की हार

39 महलों की हार
2 भोम

बगीचों के थंभ
2 भोम

सीडियाँ

रोंस

ताल की
पाल & जल रोंस

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

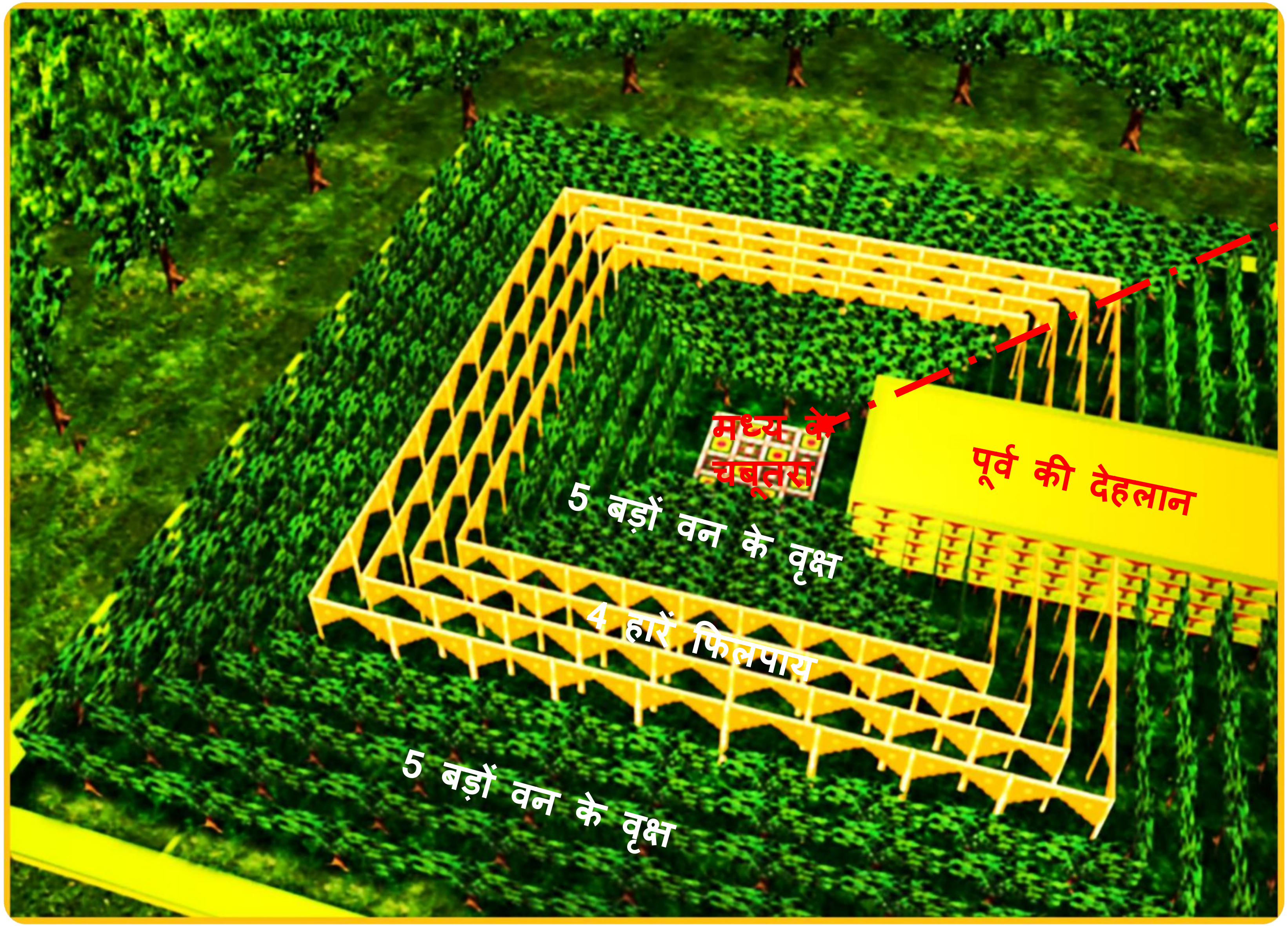

48 बंगले & 48 चहबच्चे की हारें
33,400 कोस

बंगलजी - चबूतरा की शोभा (1st से 5th भोम तक)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

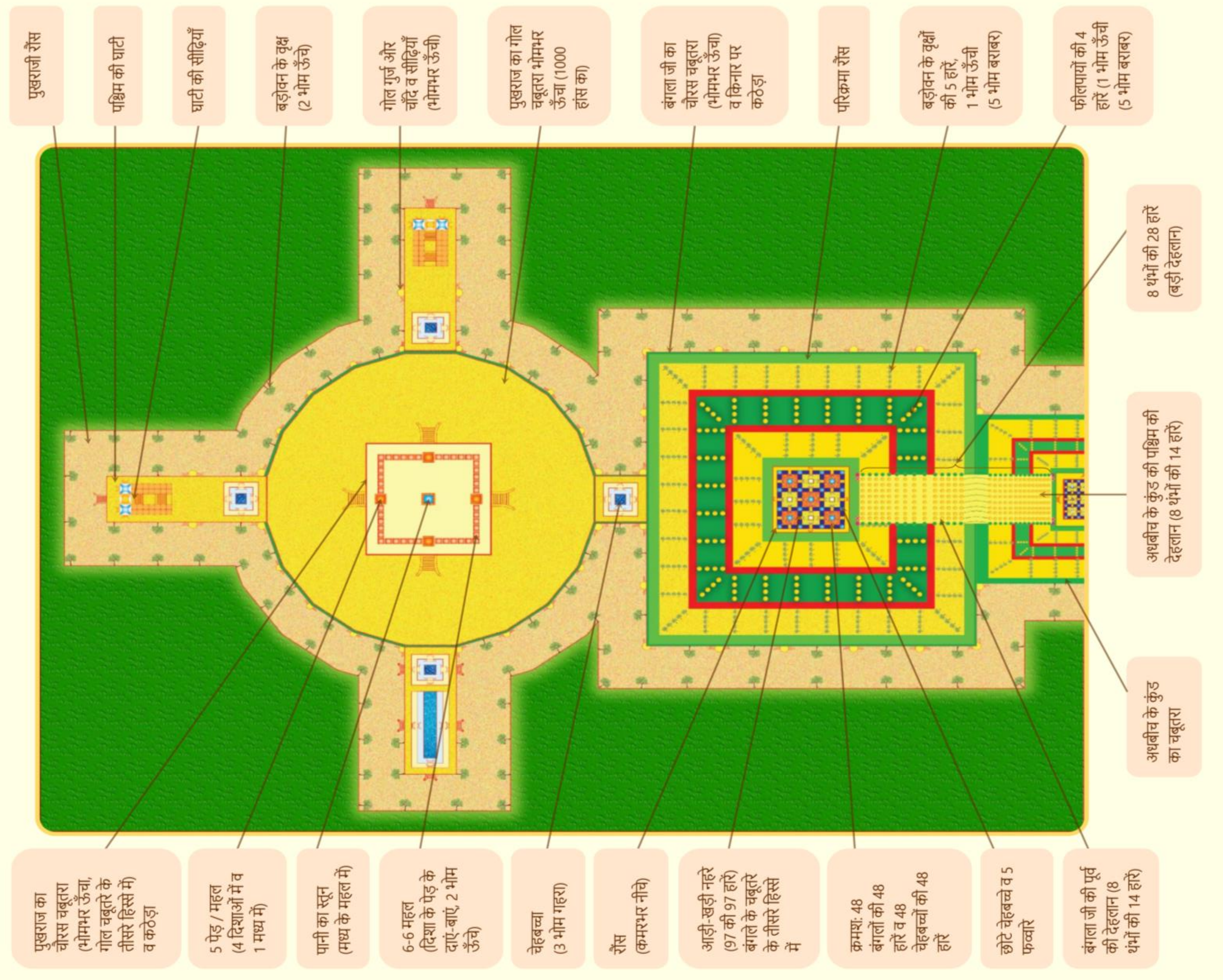

बंगलजी - चबूतरा की शोभा (1st से 5th भोम तक)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

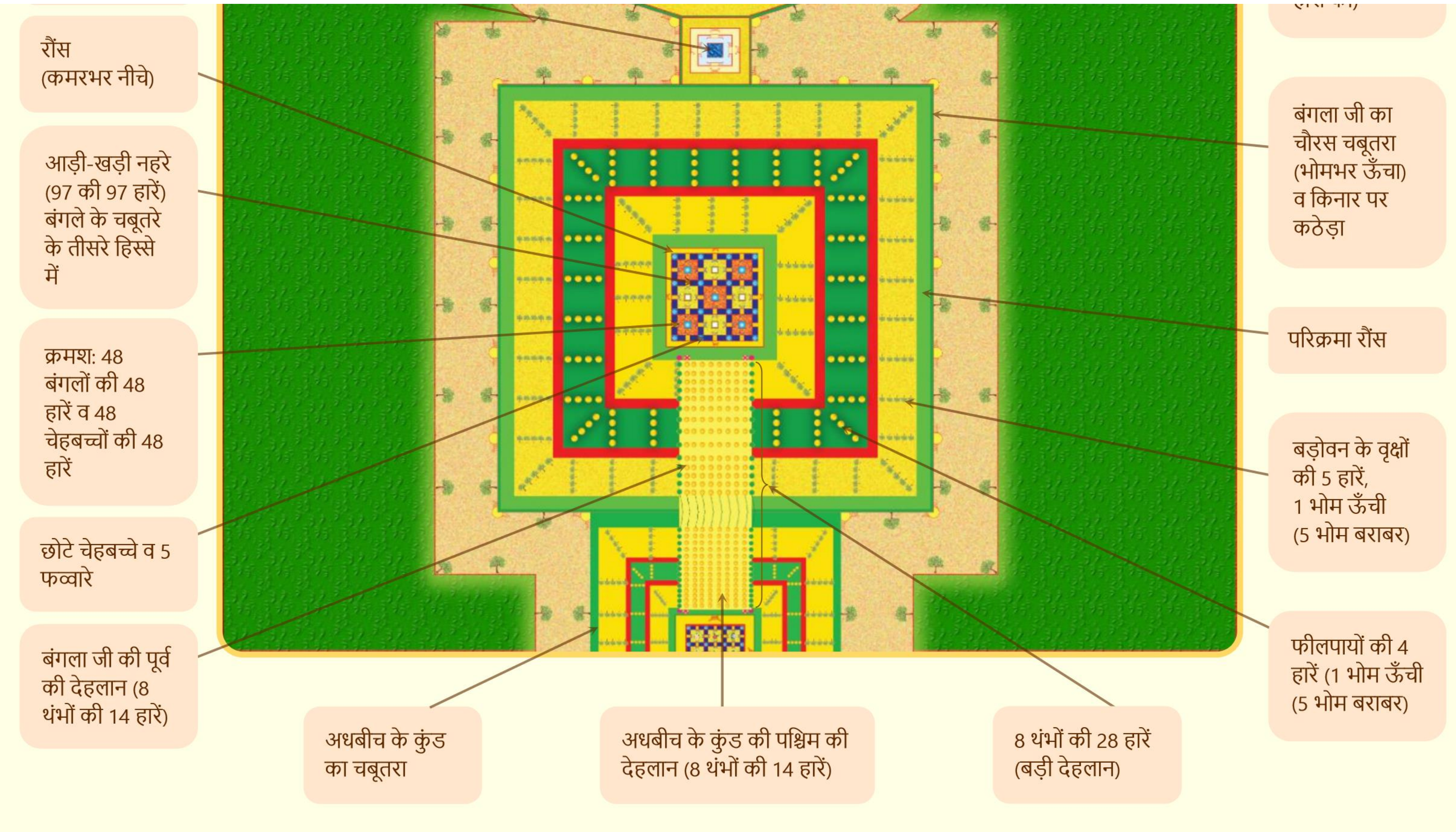

बंगलजी - चबूतरा की शोभा (1st से 5th भोम तक)

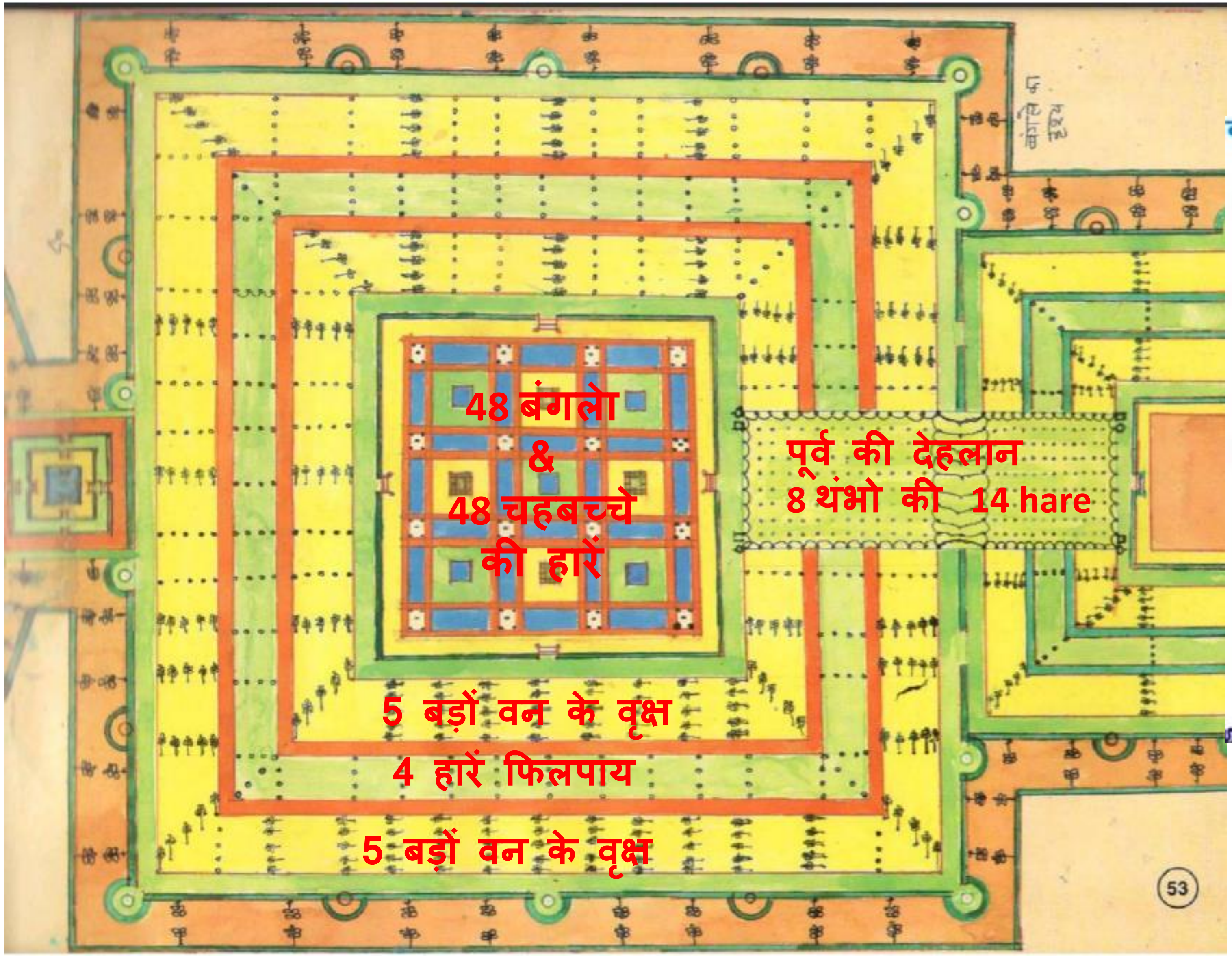

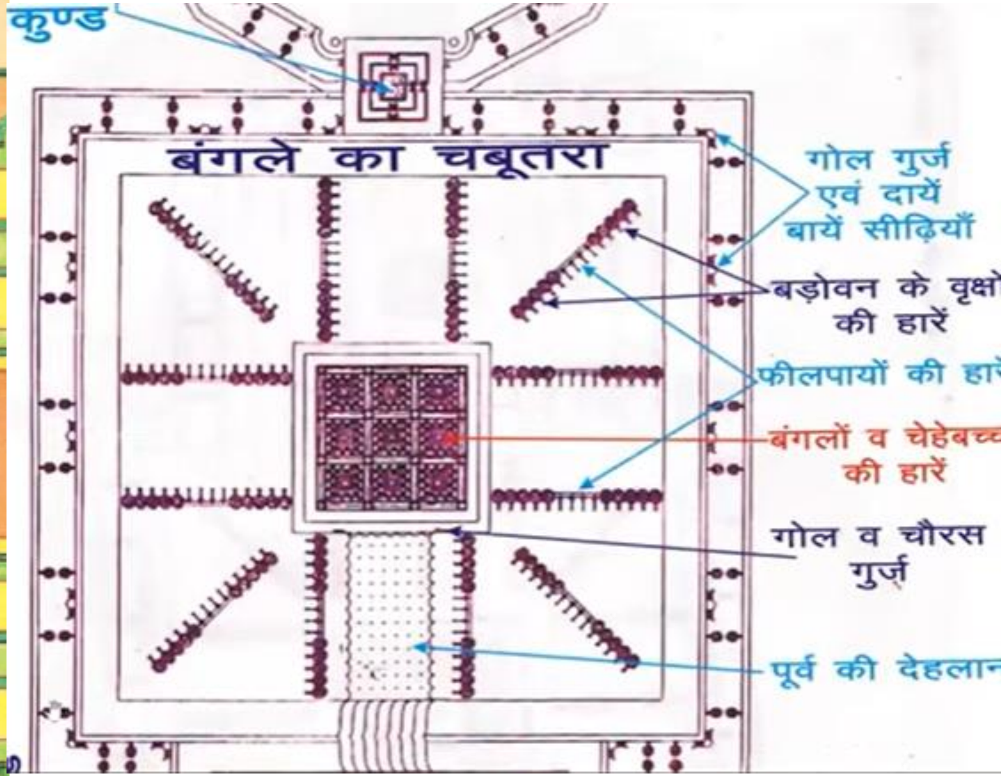

बंगलजी - चबूतरा की शोभा (1st से 5th भोम तक)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

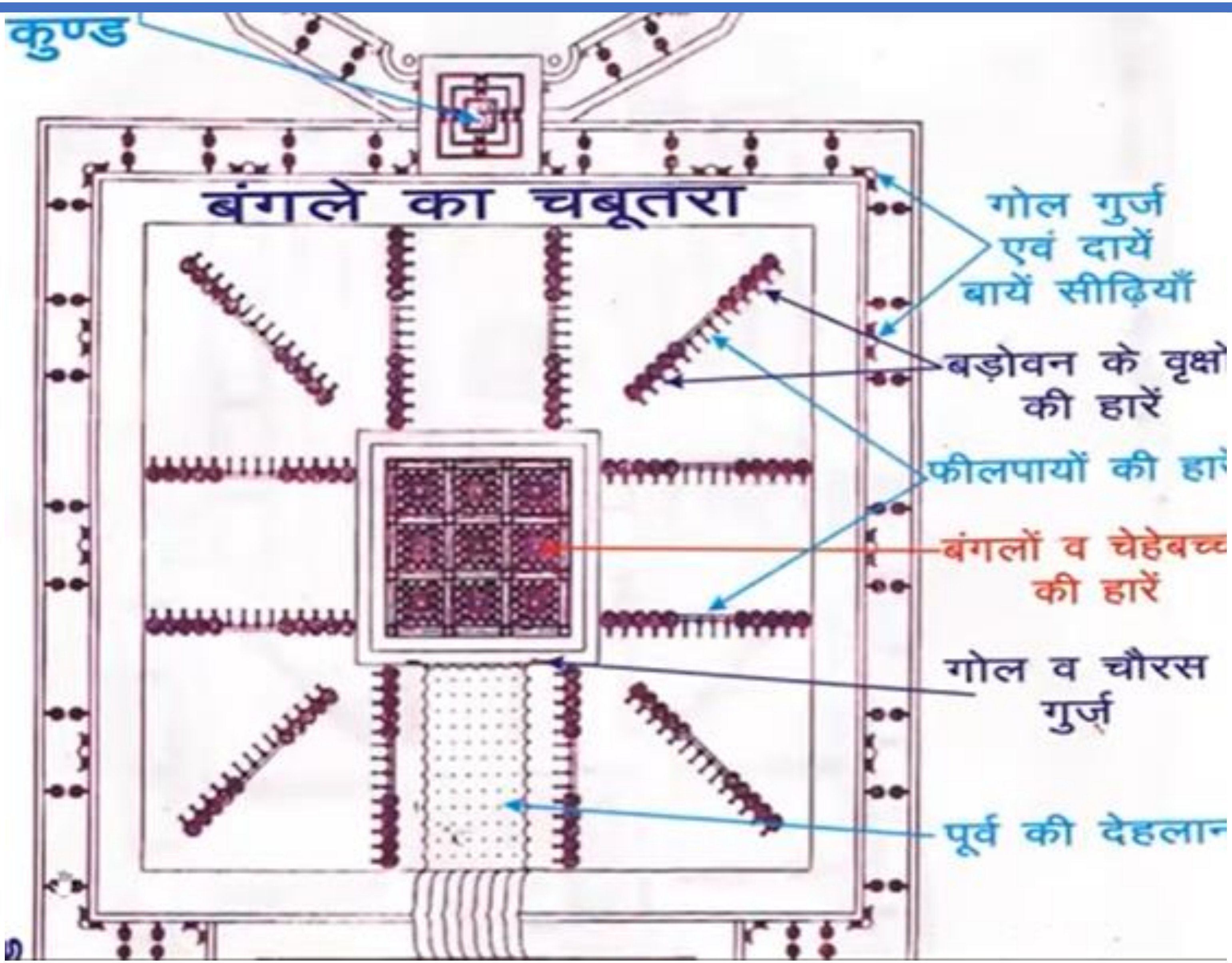

बंगलजी - मध्य के चबूतरे की बंगलों एवं चेहेबच्चों की शोभा (1st से 5th भोम)

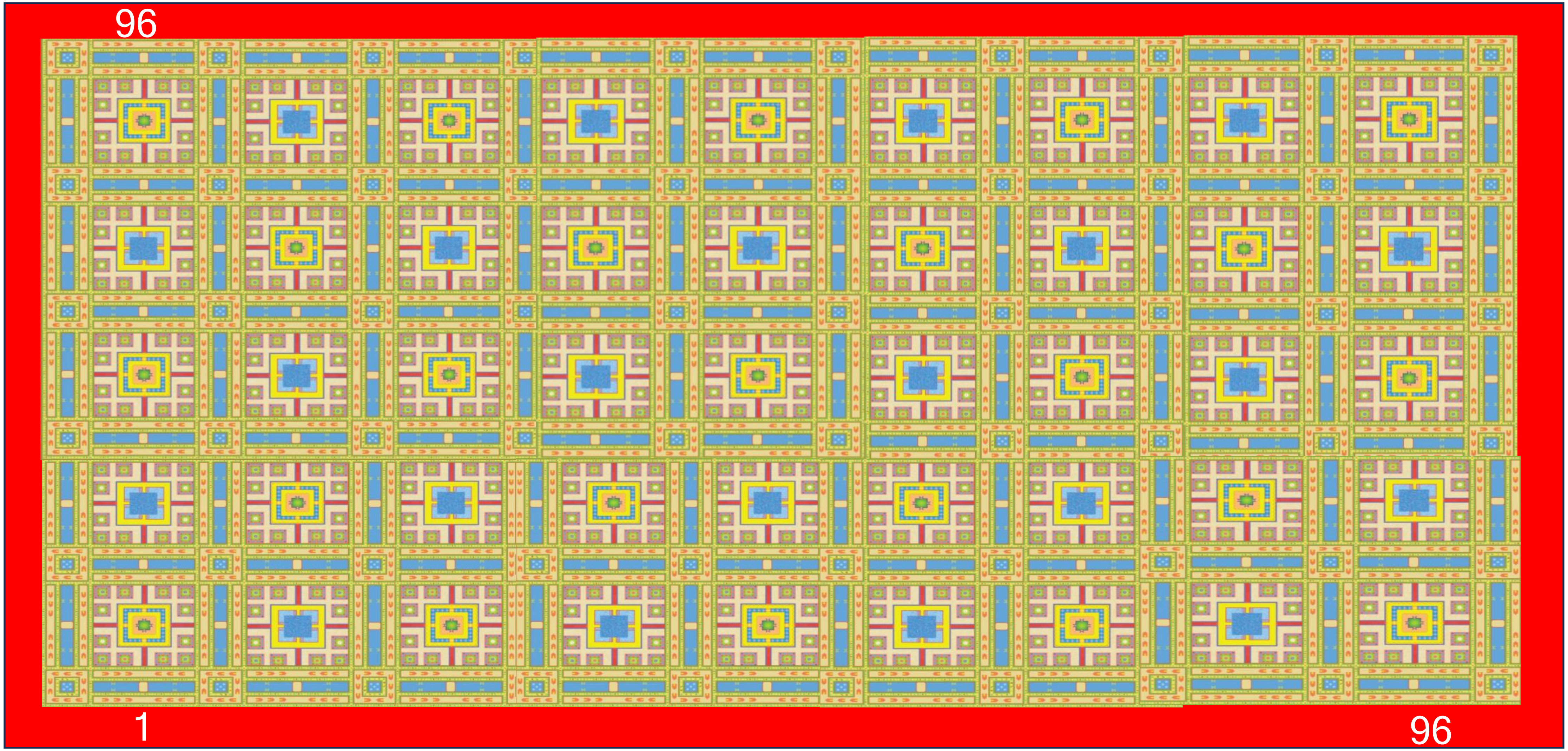

96 बंगले & चेहबच्चे x 96 हारें (48 बंगले एवं 48 चेहबच्चे की 48 हारें)

बंगलजी - मध्य के चबूतरे की बंगलों एवं चेहेबच्चों की शोभा (1st से 5th भोम)

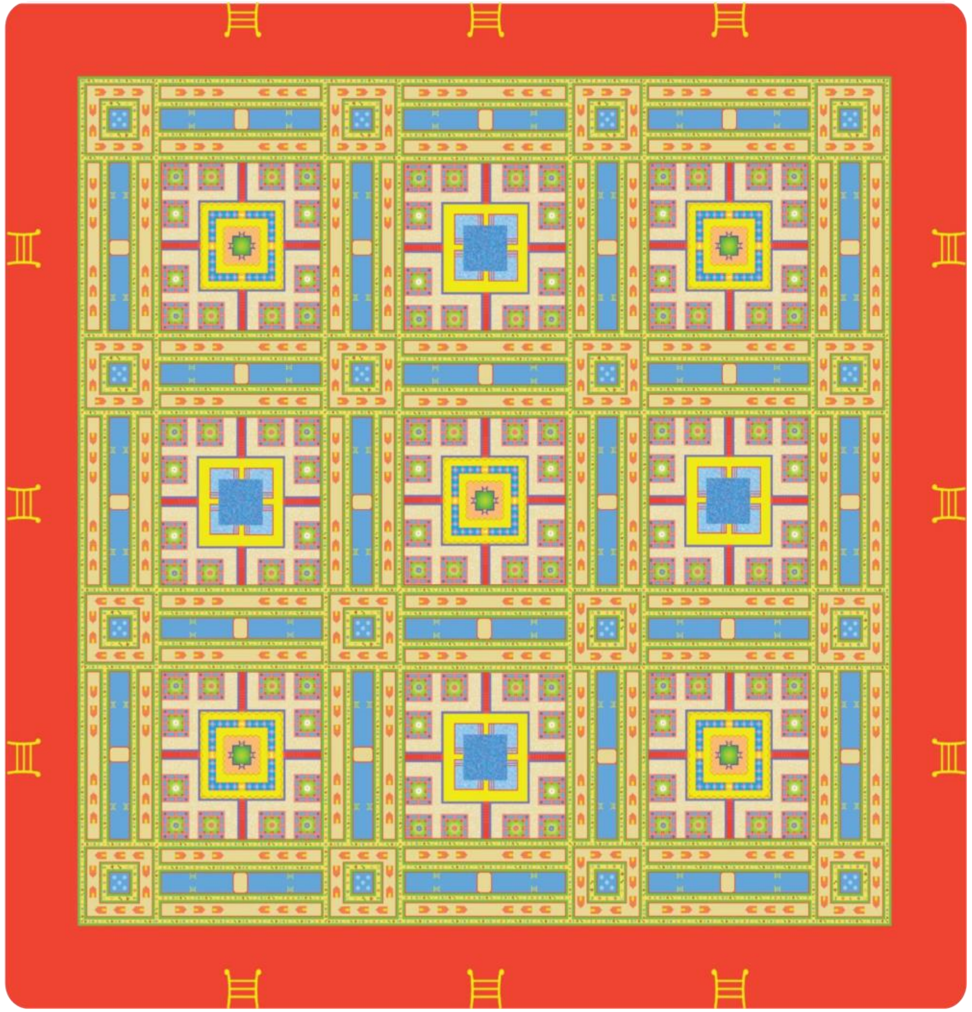

48 बंगले एवं 48 चेहेबच्चे की 48 हारें

125 मंदिर

एक नहर

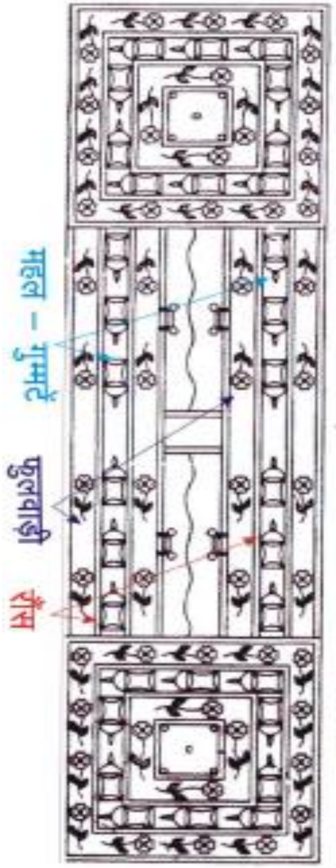

नहर – 25 मंदिर
महल, 1 भोम, 2 – 16 मंदिर
फुलवाड़ी , 4 – 5.6 मंदिर
रौंस , 8 - 5.7 मंदिर

बंगलों व चेहेबच्चों की हारें

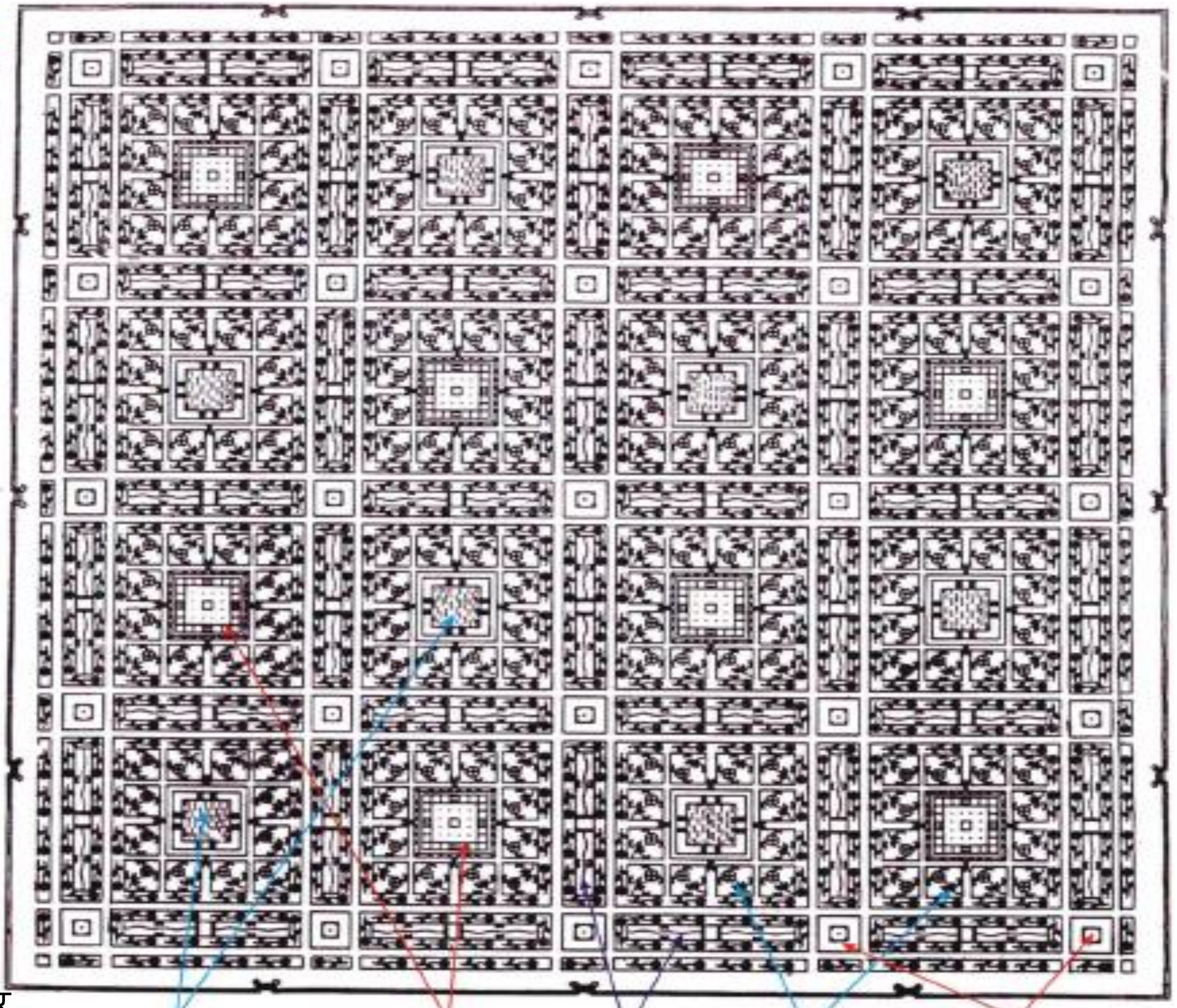

बंगलजी - मध्य के चबूतरे की बंगलों एवं चेहेबच्चों की शोभा (1st से 5th भोम)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

नहर – 25 मंदिर

महल, 1 भोम, 2 – 16 मंदिर

फुलवाड़ी , 4 – 5.6 मंदिर

रोंस , 8 - 5.7 मंदिर

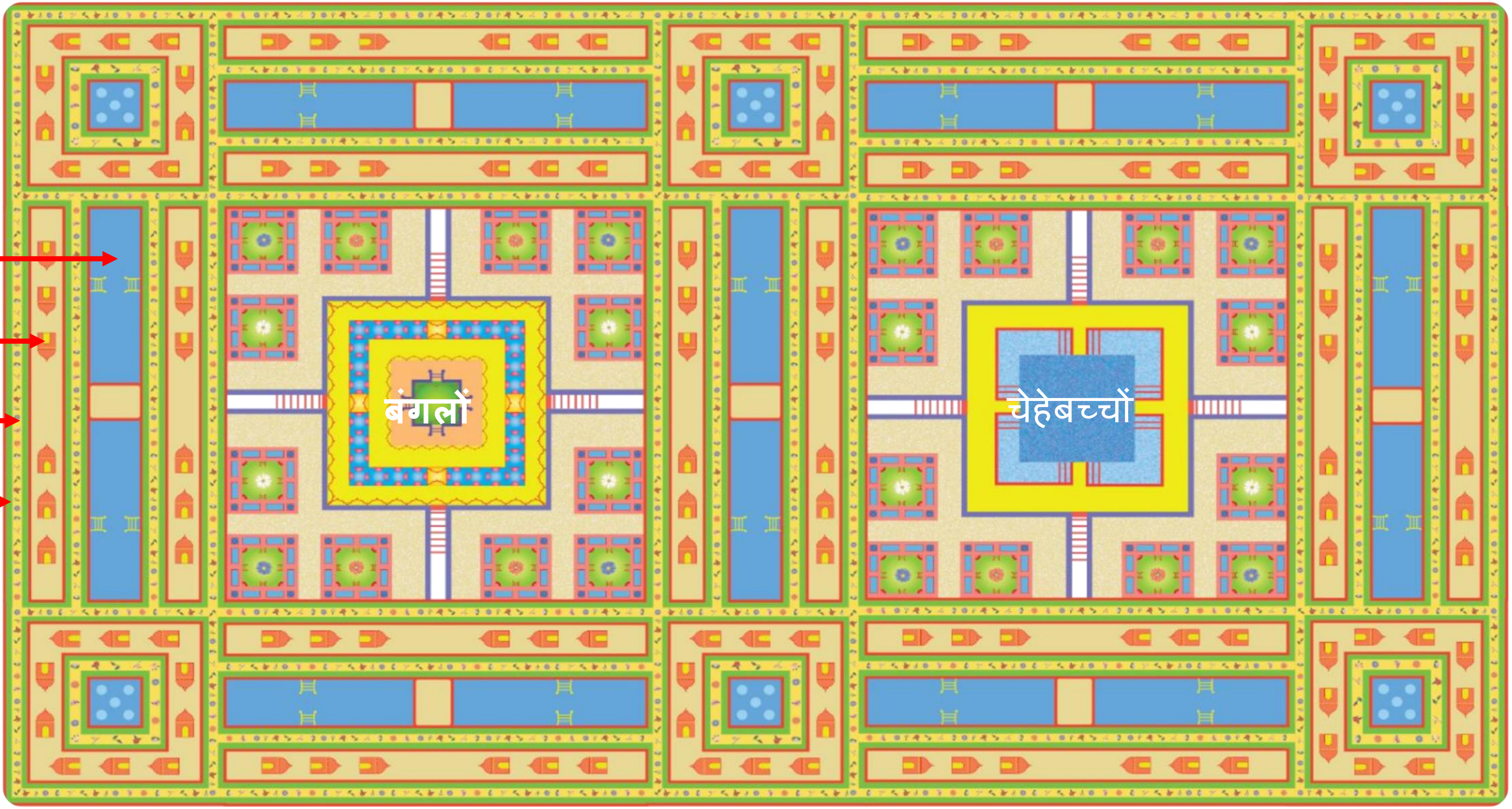

बंगलजी - मध्य के चबूतरे की बंगलों एवं चेहेबच्चों की शोभा (1st से 5th भोम)

कब सुख लेसी बंगलों, जित नेहरें चलें चक्राव।
बीच बीच बगीचे चेहेबच्चे, कई जल उतरे तले तलाव।।

बिराजे बंगले , ऐ जो मोहल तले ताल ।
बारे हजार बड़ी रूह ले , हक सों खेलत माहें हाल ।।

बंगलजी - मध्य के चबूतरे के बंगलेकी शोभा (1st से 5th भोम)

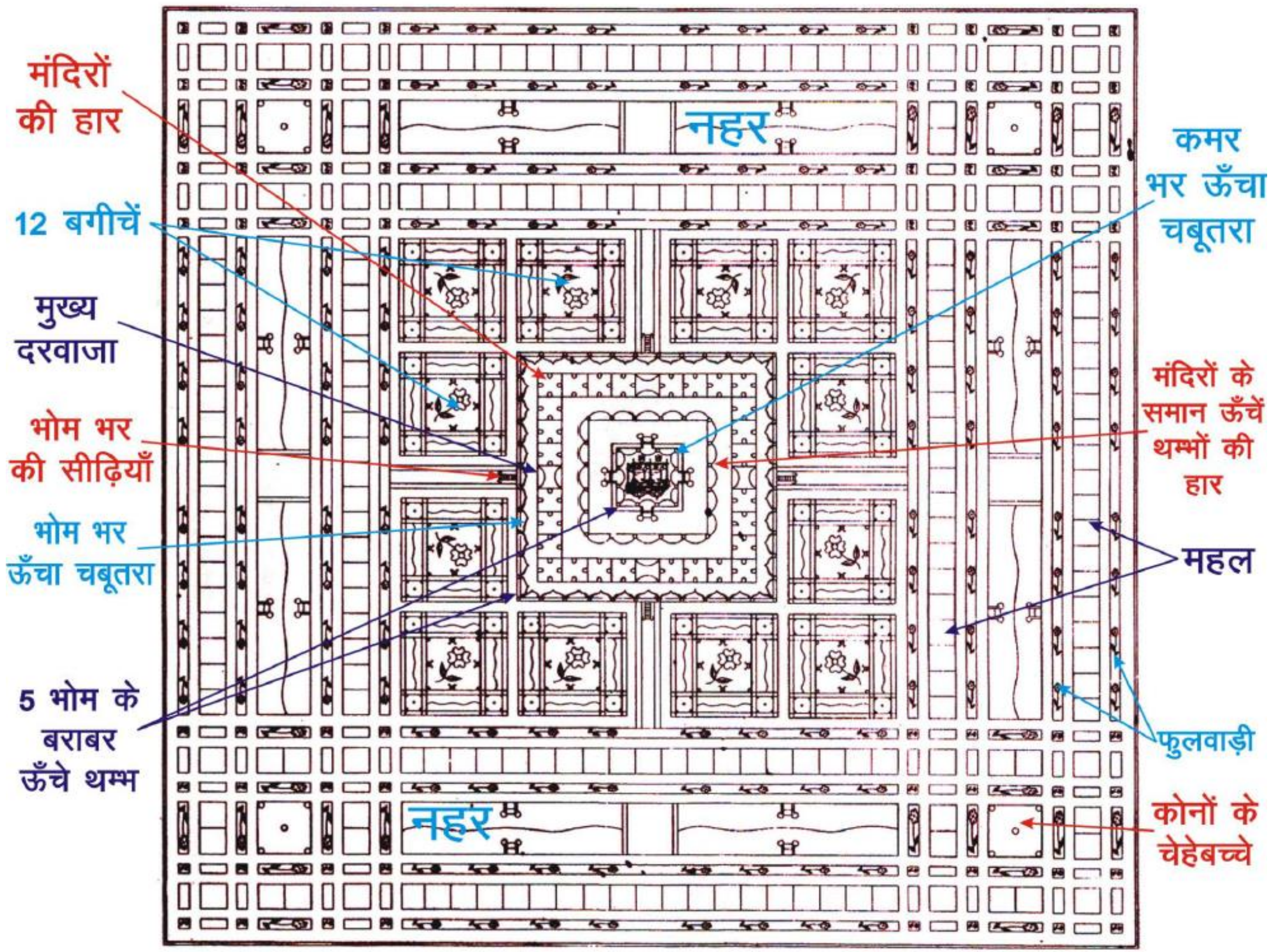

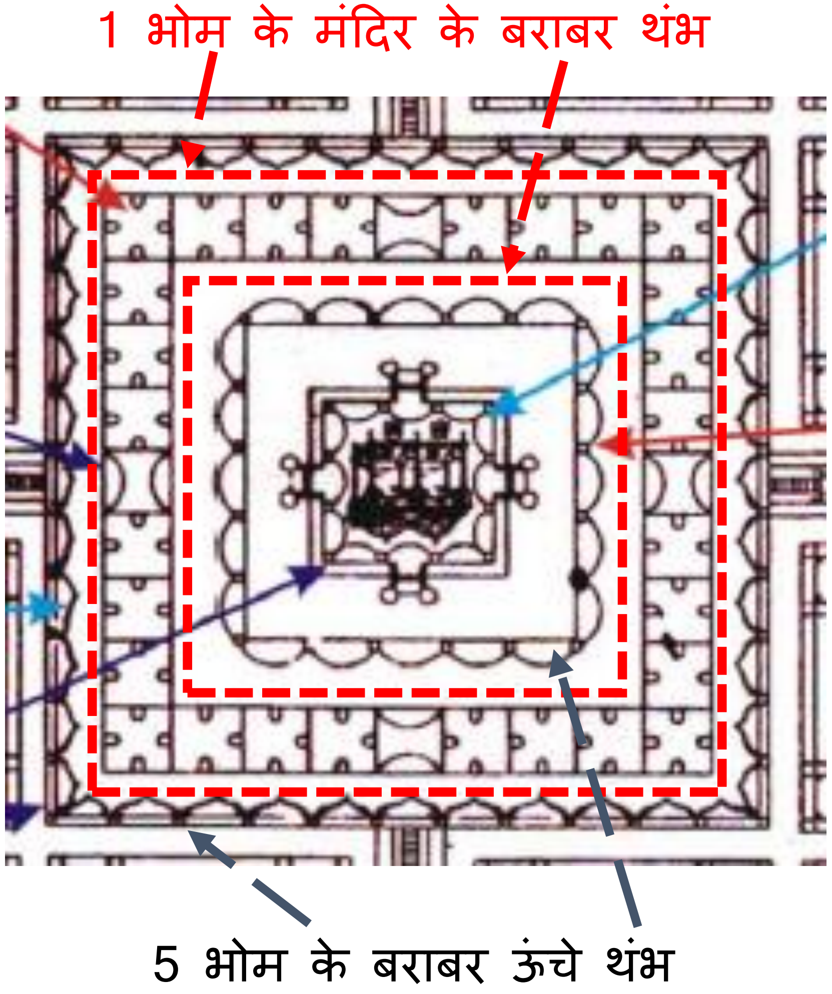

बंगला की जगह – 1600 मंदिर लंबा चोडा
बंगला के चबूतरा – 800 मंदिर लंबा चोडा

बंगलजी - मध्य के चबूतरे के बंगलेकी की बहार की शोभा (1st से 5th भोम)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

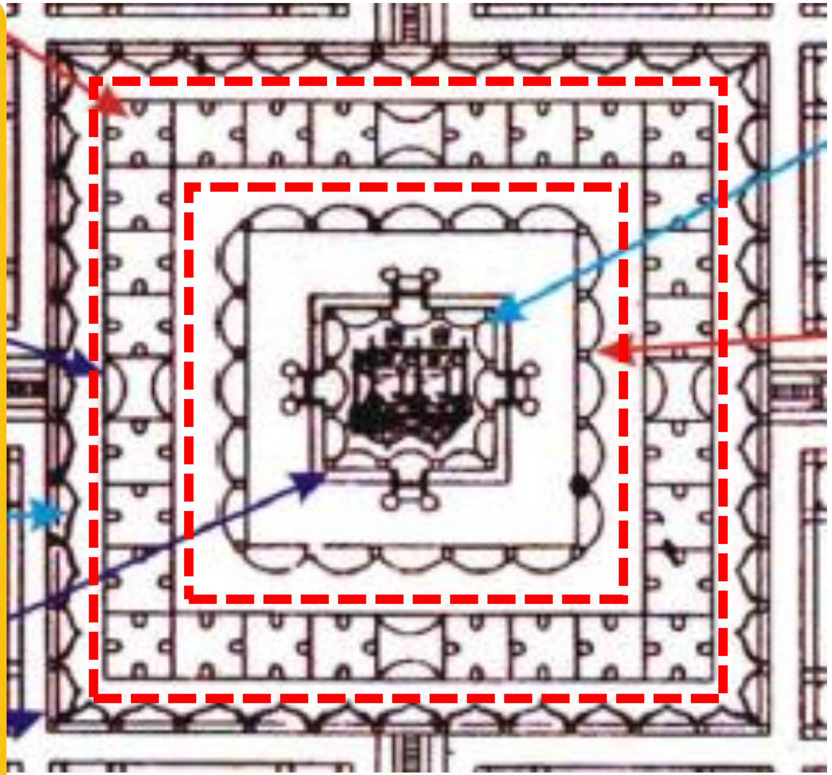

बंगला के चबूतरा – 800 मंदिर

- ➢ बंगला – 5 भोम
- ➢ दरवाजे – 4 (चार दिशा में)
- ➢ मंदिर – बंगला की 1 भोम में 5 भोम के

Total : 25 भोम

12000 मंदिर बंनगला की एक भोम में
300 मंदिर दाएं बाएं
600 एक दिशामे 2400 चारों तरफ)

बंगलजी - मध्य के चबूतरे के बंगले की बहार की शोभा (1st से 5th भोम)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

बंगलजी - मध्य के चबूतरे के बंगलेकी की अंदर की शोभा (1st से 5th भोम)

5 भोम के बराबर ऊंचे बंगले के थंभ

मंदिरों के बराबर थंम्भों की हार
1 भोम

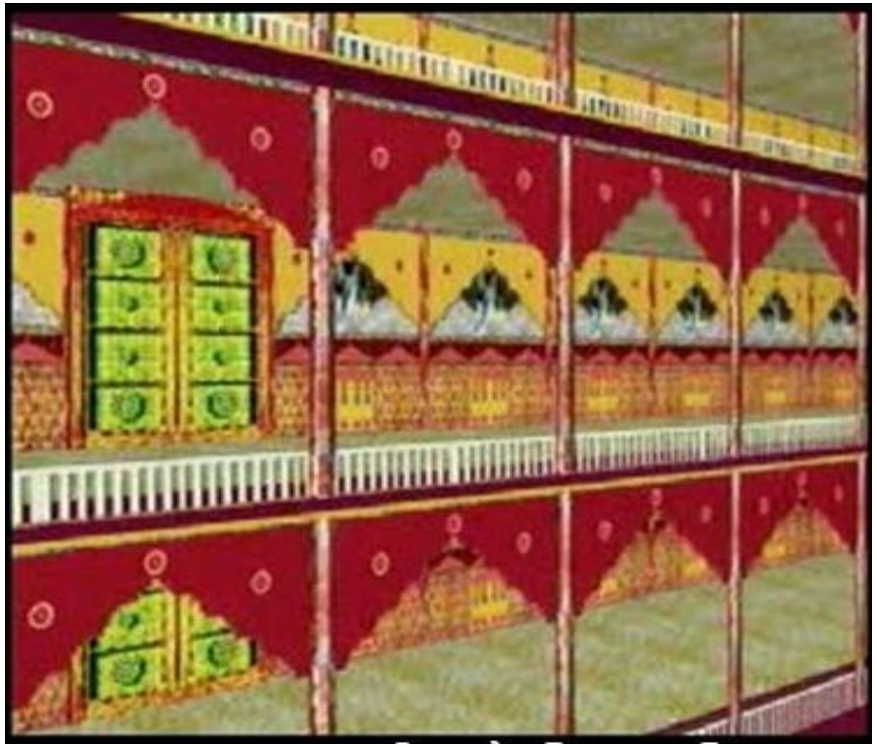

चबूतरे के चारों तरफों , कठेड़ा गृद शोभाय ।
बैठक बिछौने तापर , ए शोभा सुखदाय ।।

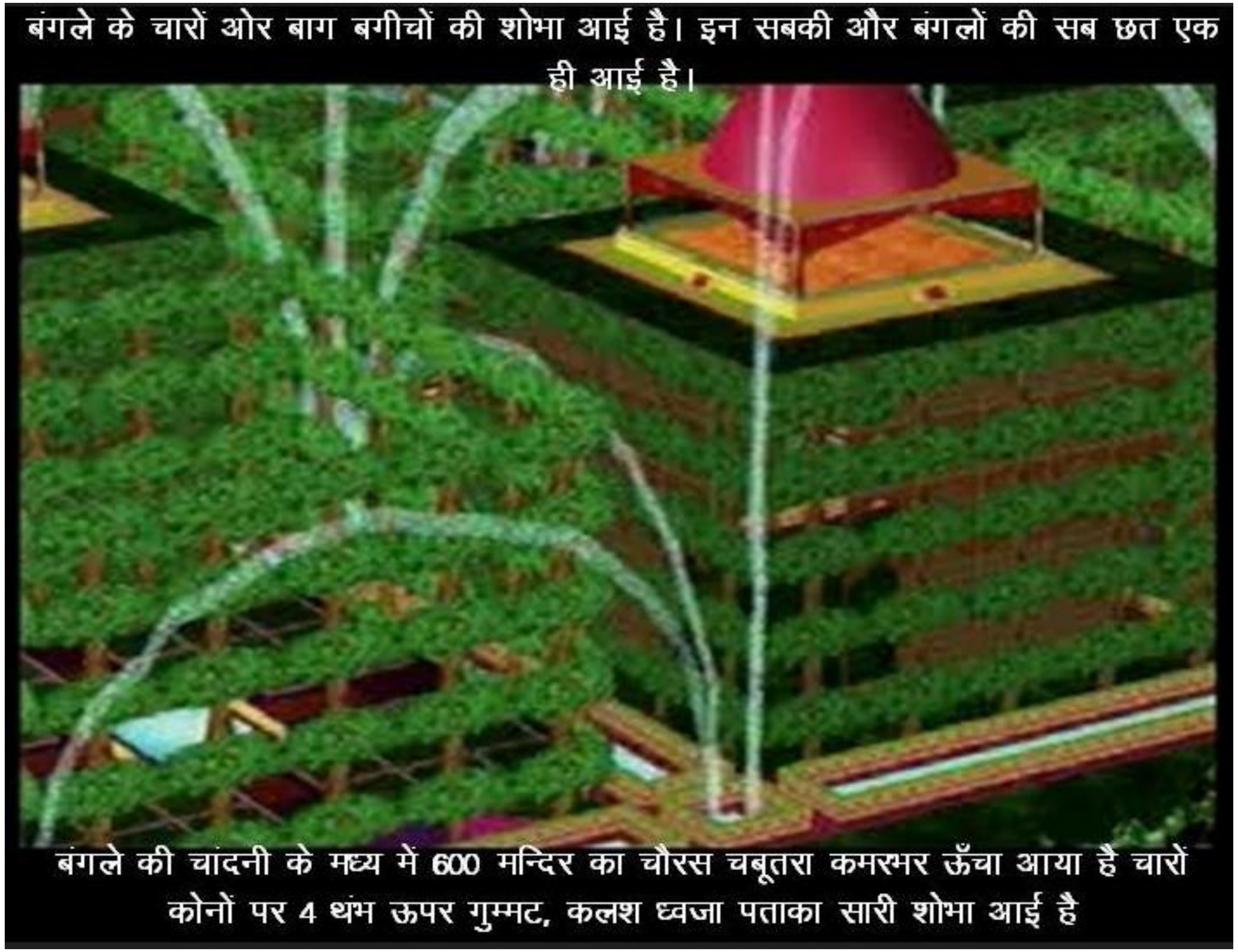

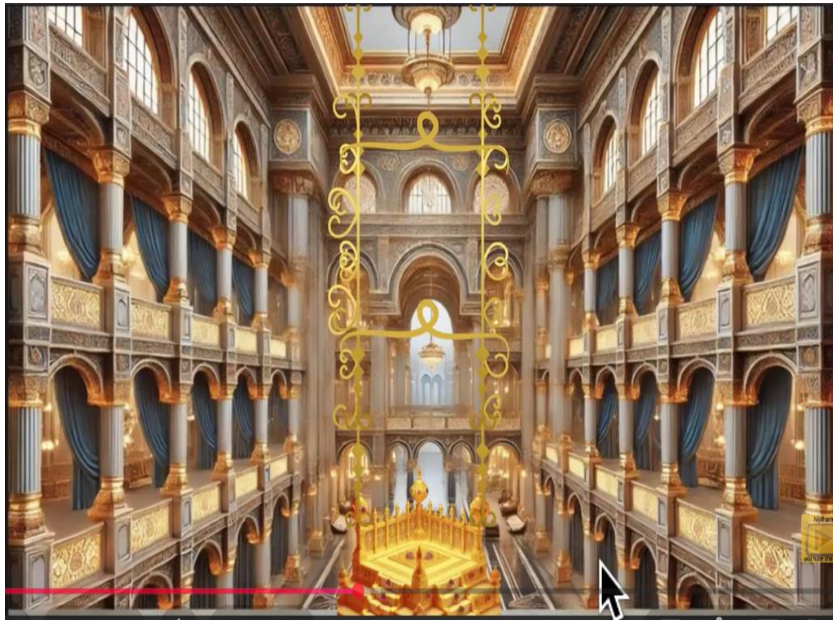

कई रेहेत अंदर जानवर , कई विध बोलें बान ।
ए खुबी खुशाली हक की , जुदी–जुदी कई जुबान।।
रूहों दिल चाहे बोलत , दिल चाही सोभा सुंदर।
दिल चाहे पेहरें भूखन , दिल चाहे वस्तर ।।
स्वरूप रूहों के मन के , जो कछुए मन चाहे।
ऊपर तले माहें बाहेर , एक पल में काम कर आएँ ।।

बंगलजी - मध्य के चबूतरे के चेहेबच्चों की शोभा (1st से 5th भोम)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

चहबच्चे की जगह – 1600 मंदिर लंबा चोडा
चबूतरा – 800 मंदिर, 1 भोम ऊँचा
पाल , 2 – 100 मंदिर
चहबच्चा – 600 मंदिर, भोम पर गेहरा
बगीचे – 12 (1-1 चारों कोनों में , 2-2 चारों दिशा में)
वृक्ष – 30 भोम

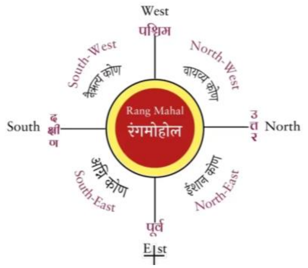

बंगलजी - पुखराजी ताल (6th भोम की चादनी)

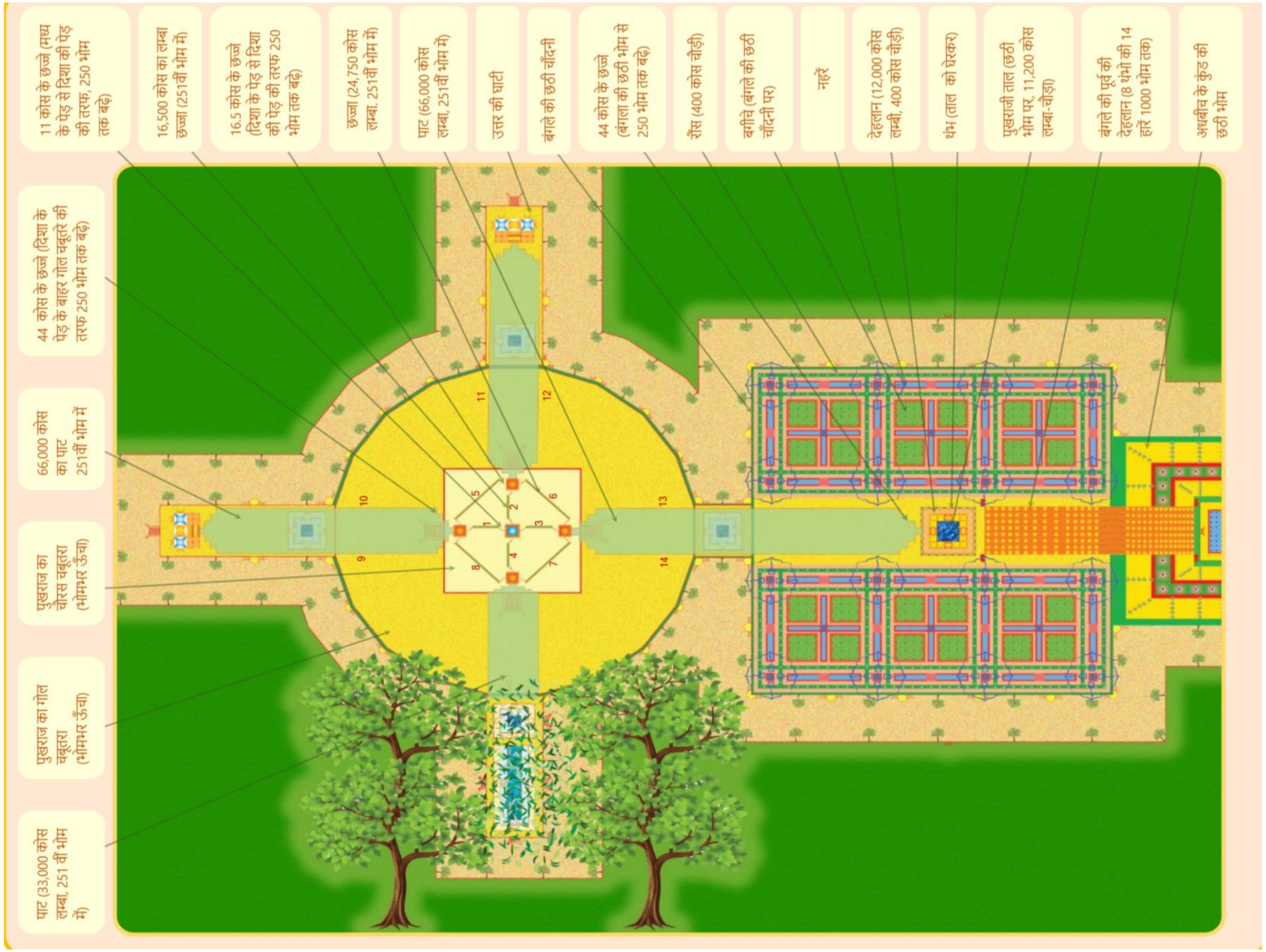

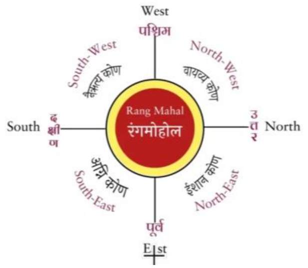

बंगलजी - पुखराजी ताल (6th भोम की चादनी)

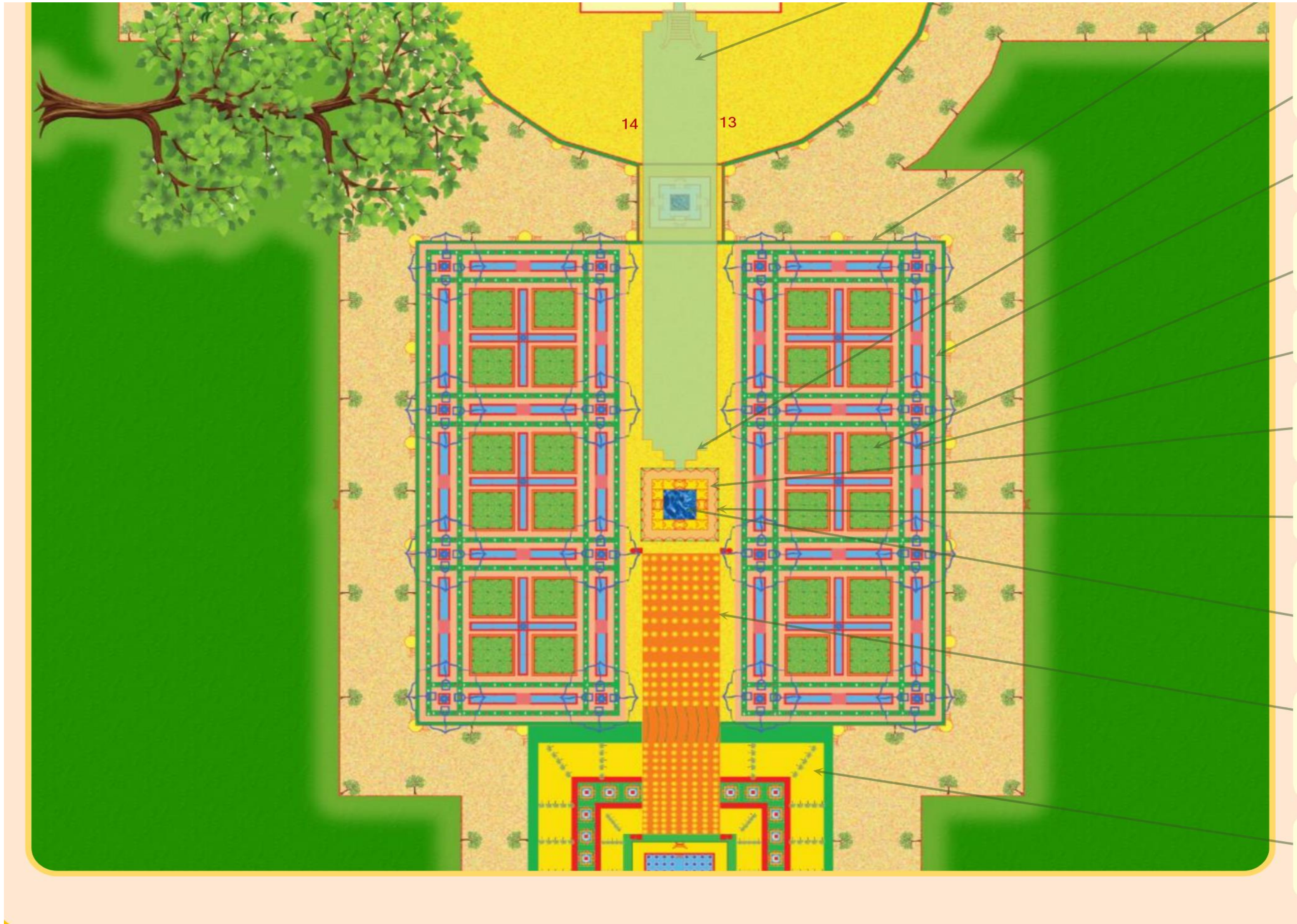

44 कोस के छज्जे (बंगला की छठी भोम से 250 भोम तक बढ़े)

रौंस (400 कोस चौड़ी)

बगीचे (बंगले की छठी चाँदनी पर)

नहरें

देहलान (12,000 कोस लम्बी, 400 कोस चौड़ी)

थंभ (ताल को घेरकर)

पुखराजी ताल (छठी भोम पर, 11,200 कोस लम्बा-चौड़ा)

बंगले की पूर्व की देहलान (8 थंभो की 14 हारें 1000 भोम तक)

अधबीच के कुंड की छठी भोम

बंगलजी - पुखराजी ताल की शोभा (6th भोम से 981 भोम चादनी)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

पुखराजी ताल

6th भोम - 11,200 कोस लम्बा चौड़ा
250-980 भोम - 33,200 कोस लम्बा चौड़ा
981th चादनी - 33,200 कोस लम्बा चौड़ा

बंगलजी - पुखराजी ताल की शोभा (6th भोम से 981 भोम चादनी)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

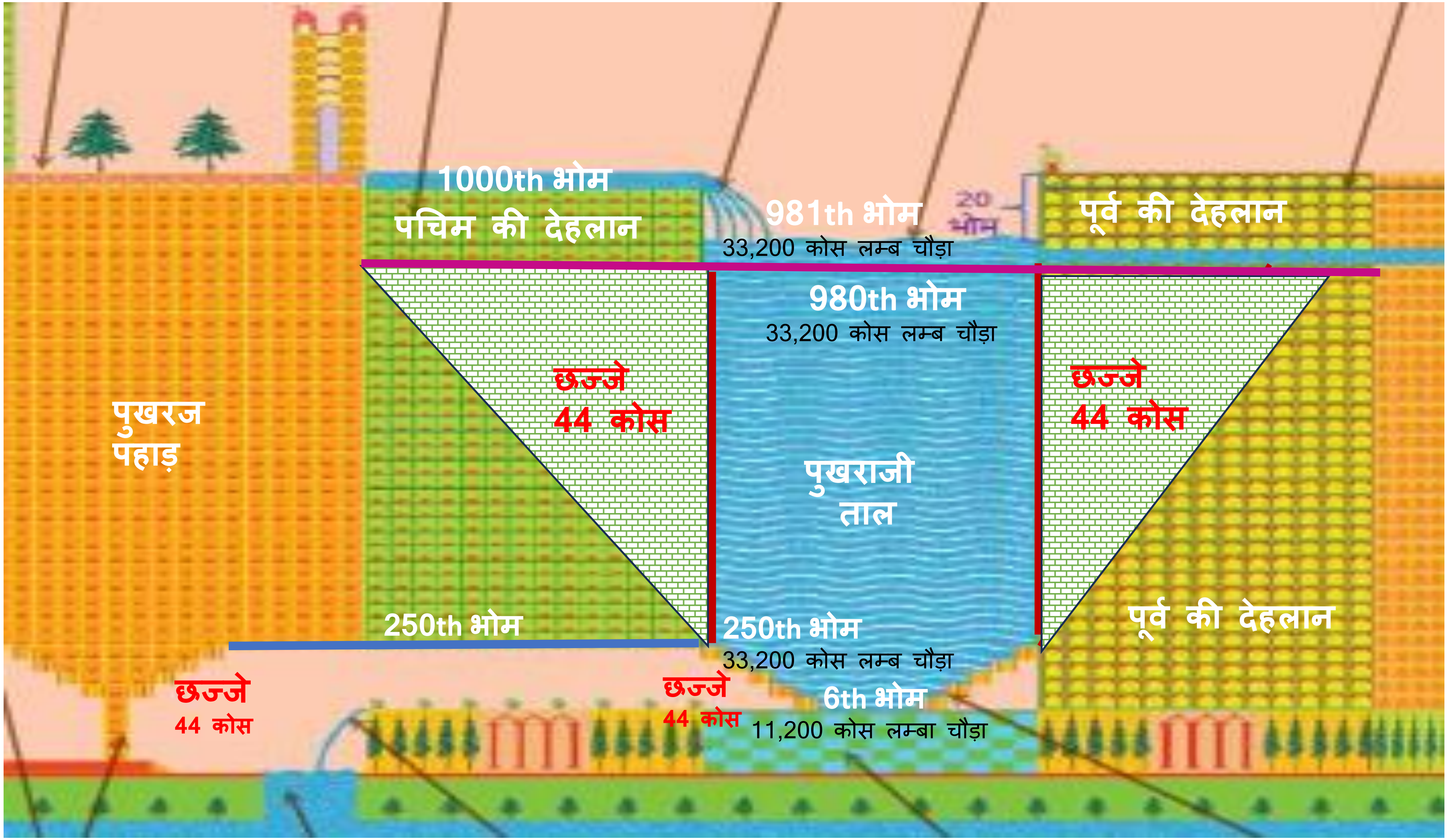

बंगलजी – पुखराजी ताल, 6th भोम से 980 भोम के छज्जे बढ़ने की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

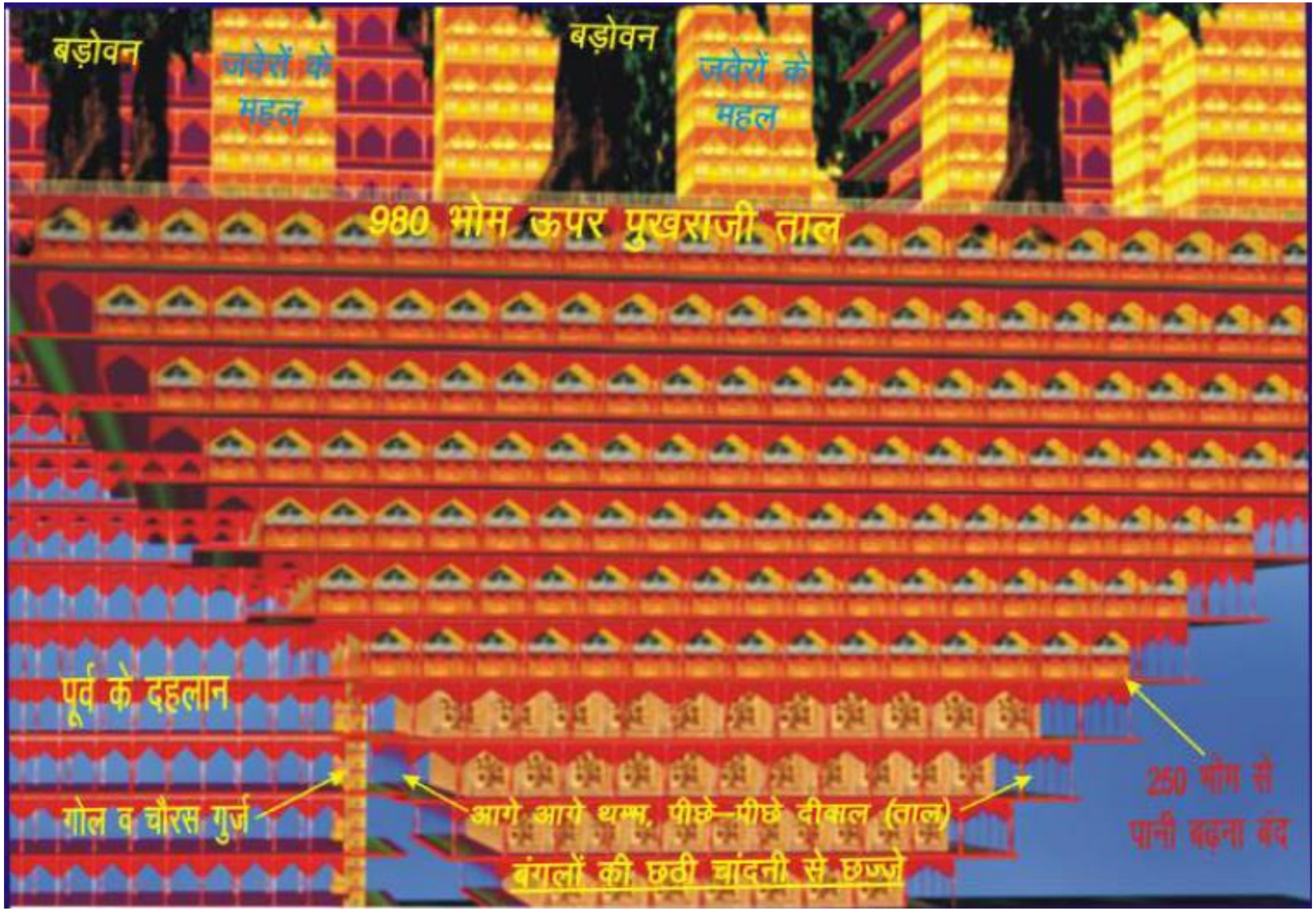

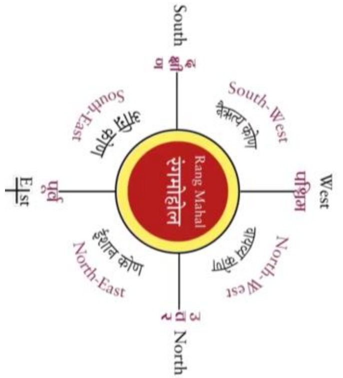

बंगलजी – पुखराजी ताल, 6th भोम से 980 भोम के छज्जे बढ़ने की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

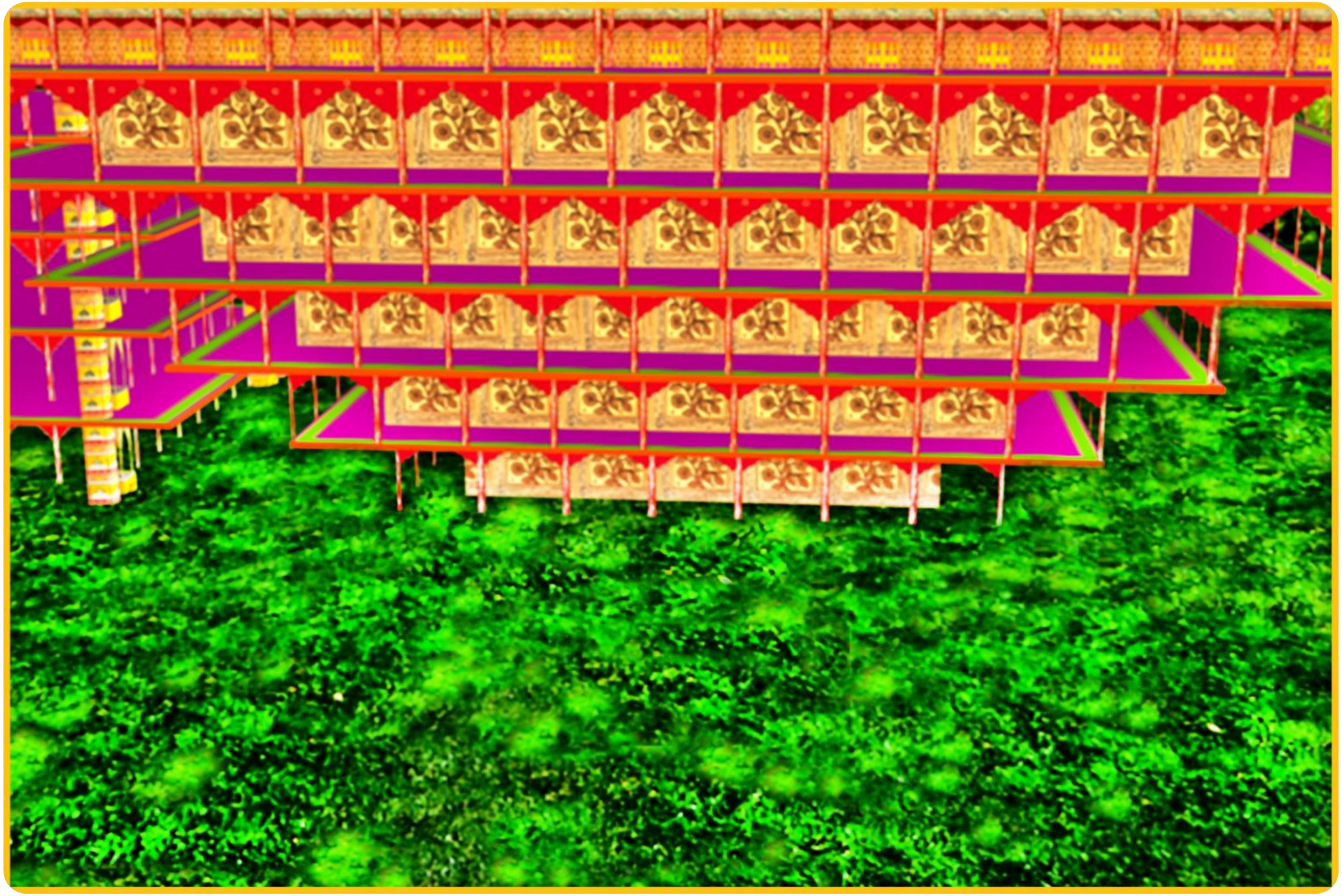

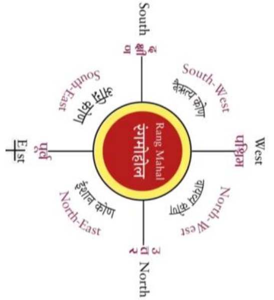

बंगलजी – 981th भोम की चादनी की शोभा

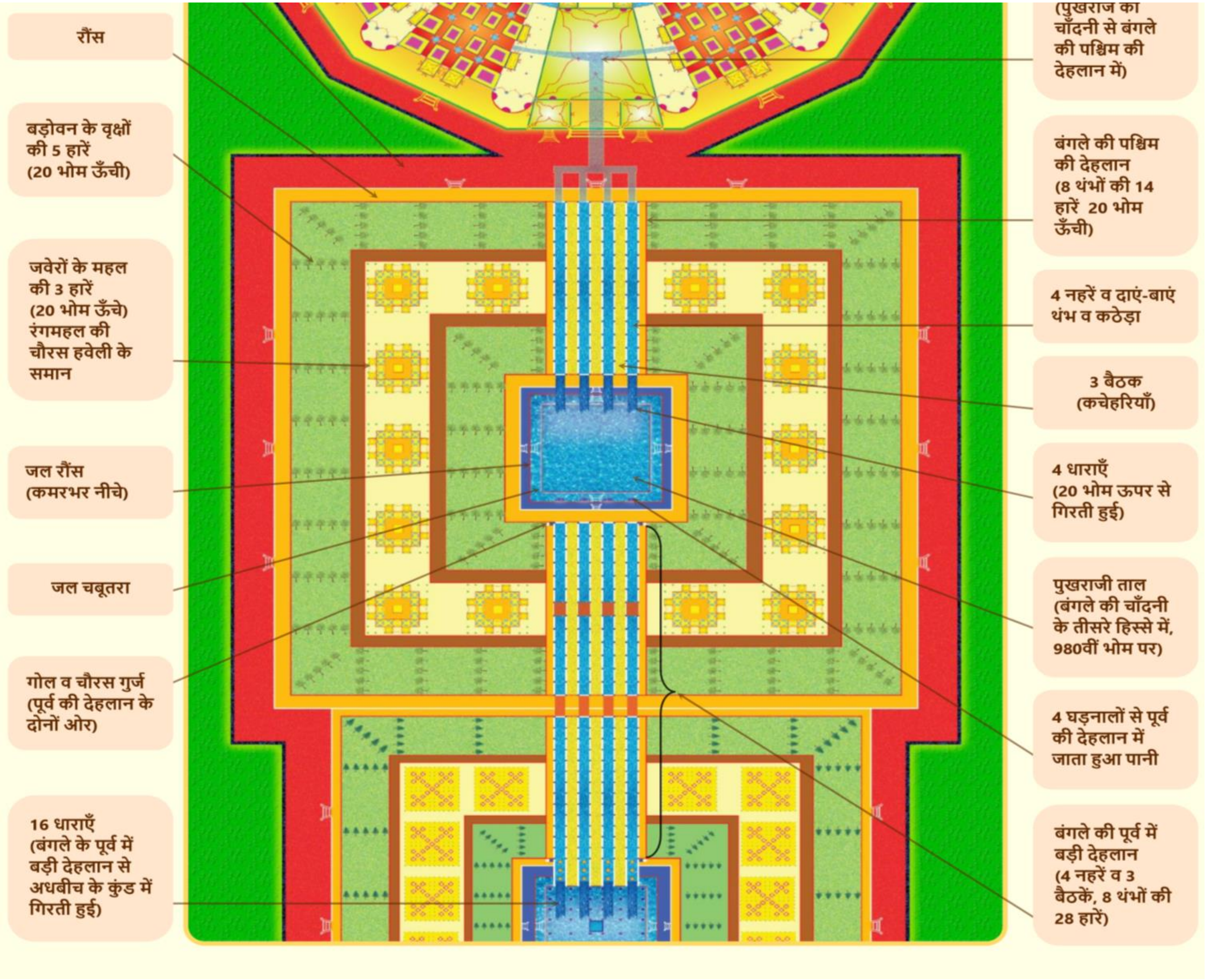

981th भोम की चादानी

जवेरों के महल – 20 भोम , 3 हारें
पुखराज ताल - 33,200 कोस लम्ब चौड़ा
4 धारएं – 20 भोम पर से
बड़ोंवन के वृक्ष – 20 भोम ऊची

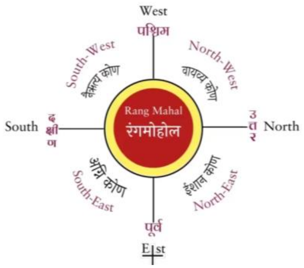

बंगलजी – 981th भोम की चादनी की शोभा

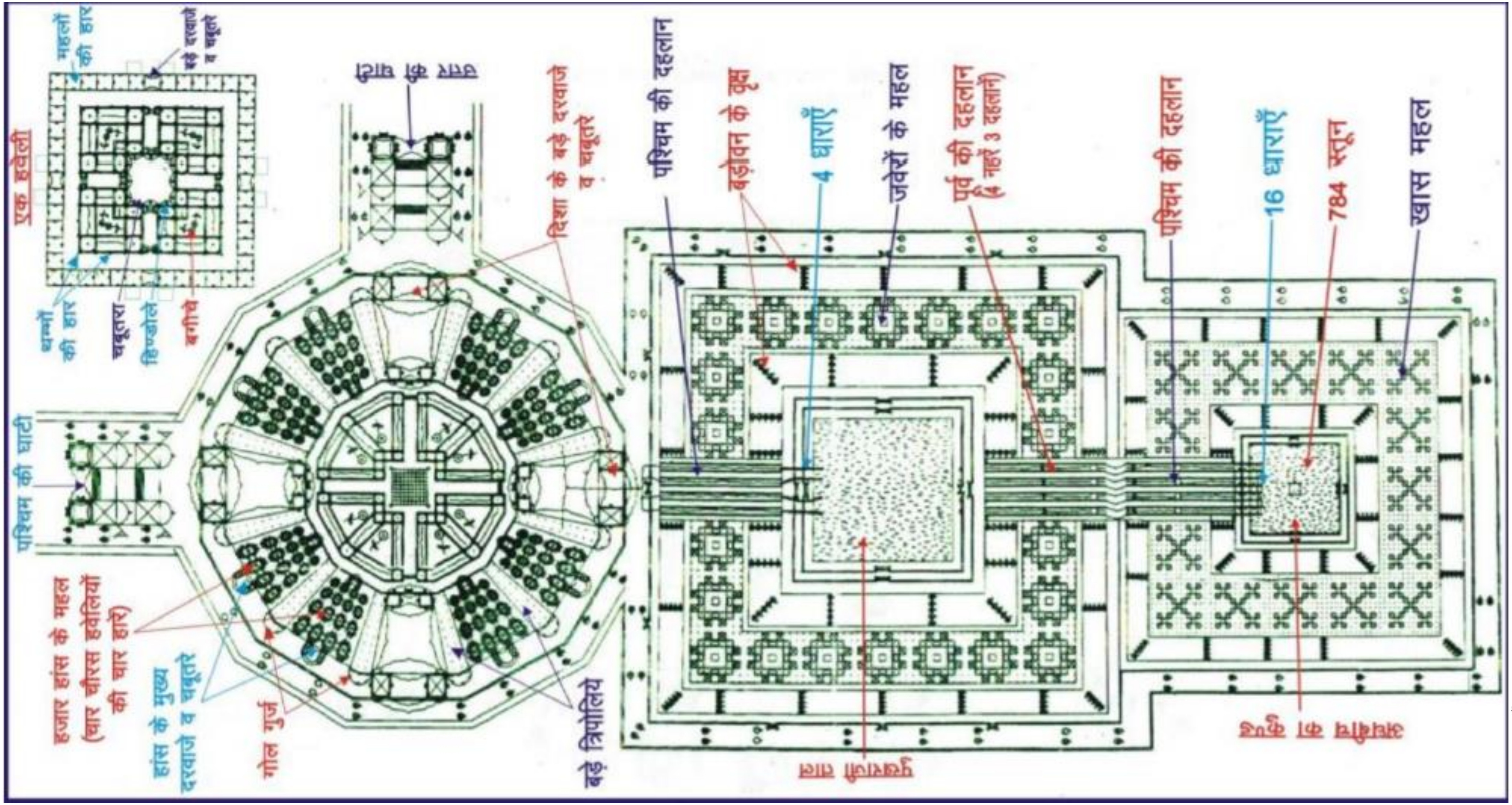

चार धाराएँ
पूर्व की देहेलान
पश्चिम की देहेलान
जवेरों के महल
बड़ोवन

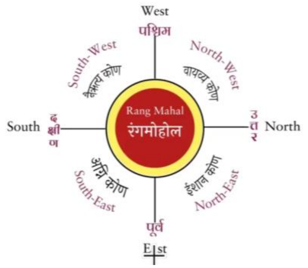
West
पश्चिम
North-West
South-West
South
North
Rang Mahal
रंगमोहोल
South-East
North-East
पूर्व
East

बंगलजी – 981th भोम की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

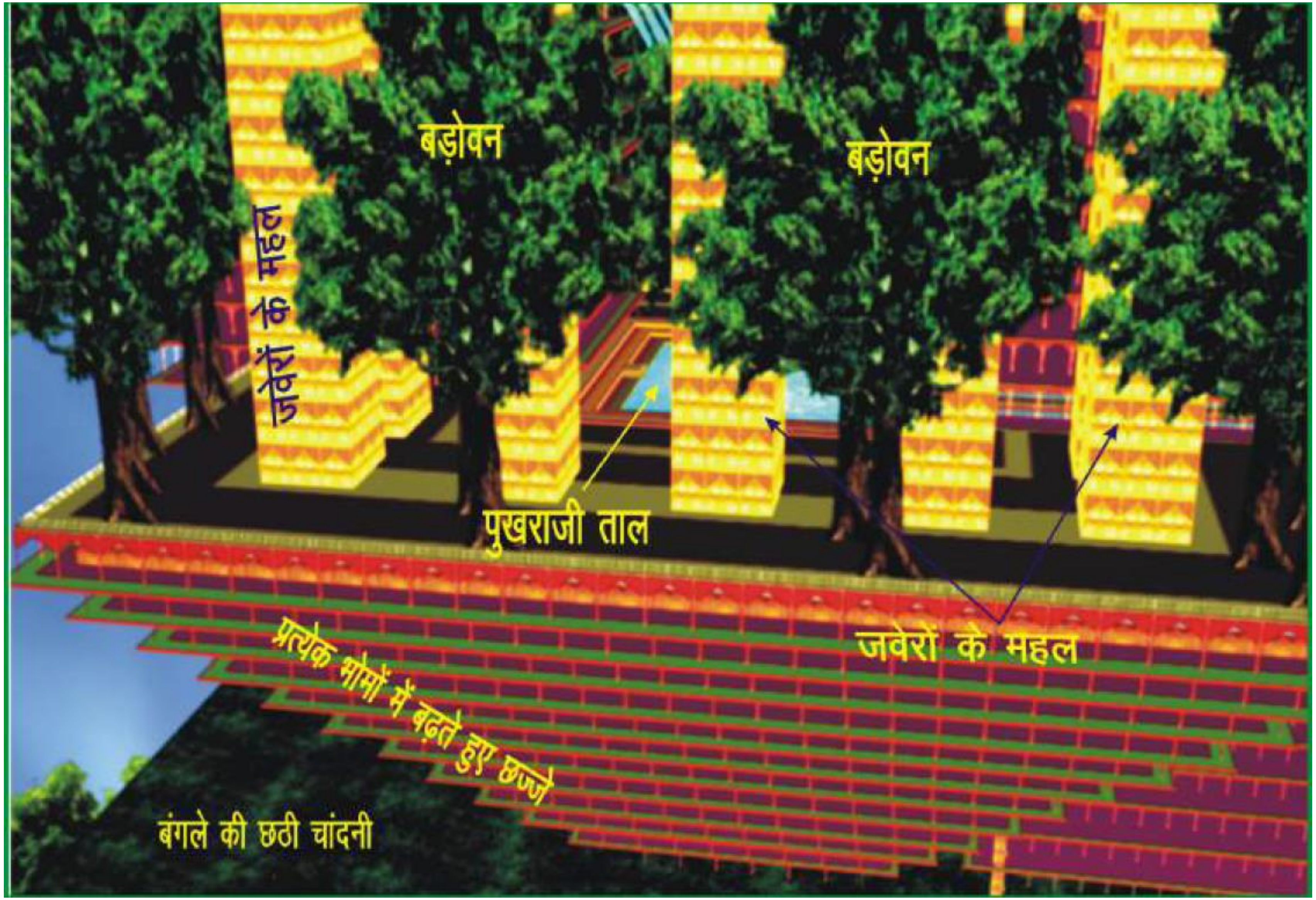

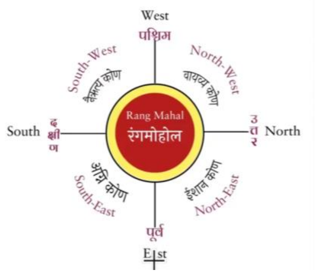

980 भोम के ऊपर पुखराजी ताल की चांदनी आई है 4 लाख कोस की गृद में किनार पर 400 कोस के छज्जे से कमस्मर सीढ़ी चढ़ कर पाल पर आते है। इससे आगे 400 कोस की रौस को पार कर 5 वृक्ष बड़ोवन के आते है,
आगे जवेरों के मोहोल जो नीचे फीलपाये आये हैं उन्हीं के ऊपर इनकी शोभा आई है। दो मोहोलों के बीच दो थंभों की हार और तीन गलियों की शोभा है।

West
पश्चिम
North-West
South-West
South
North
Rang Mahal
रंगमोहोल
South-East
North-East
पूर्व
East

बंगलजी – 981th भोम चादनी में देहलान की शोभा

देहलान

पचिम की देहलान – 20 भोम

पूर्व की देहलान – 1000 भोम

- 8 थंभो की 14 हारें
- 4 नहरें
- 3 बेठक
- 4 धारएं – 20 भोम से
- 2 गोल गुर्ज
- 2 चोरस गुर्ज

बंगलजी – 981 भोम चादनी की शोभा , पचिम की देहलान (981th to 1000 भोम)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

पुखराजी ताल के पूर्व की दहलान
पाल
जल रौंस
चार नहरें
तीन दहलानें

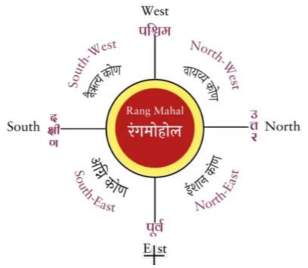
West
पश्चिम
North-West
वायव्य कोण
South-West
नैऋत्य कोण
South
दक्षीण
Rang Mahal
रंगमोहोल
उत्तर
North
अग्नि कोण
South-East
ईशान कोण
North-East
पूर्व
East

बंगलजी – 981 भोम चादनी की शोभा , पूर्व की देहलान (1st भोम से 1000 भोम तक)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

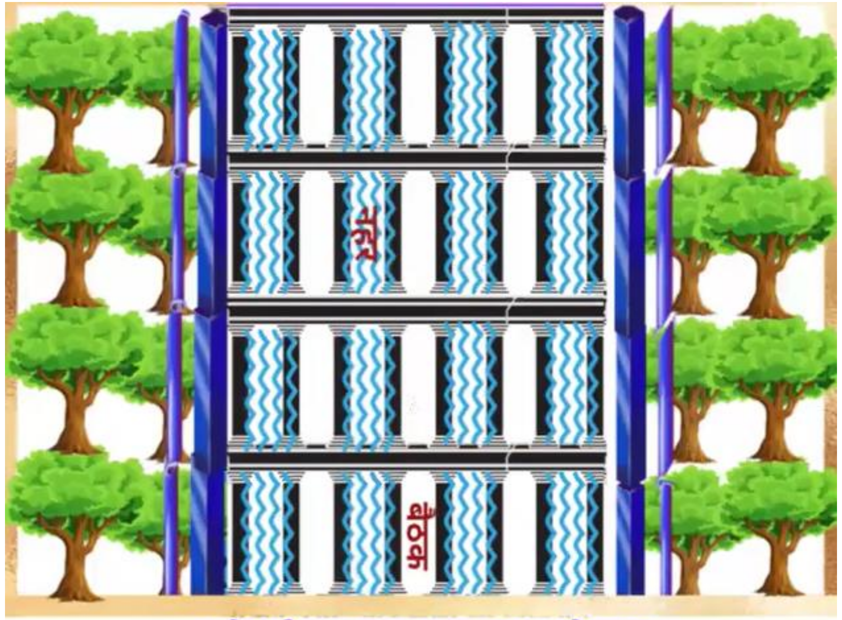

चौड़ाई तरफ आठ थम्भ सात मेहराब
चार नहर तीन बैठक
दाएं बाएं वृक्ष ,फिलपायो से चौरस गोल गुर्ज की शोभा बनती हुई

चोरस
गुर्ज
गोल
गुर्ज
देहलान
8 थंभ के 14 हारें

ताल के पश्चिम में 32500 कोस की लम्बी और 8750 कोस की
चौडी देहेलान आई है।
चोरस
गुर्ज
गोल
गुर्ज
जिसमें चौड़ाई तरफ 8 थंभो में 7 मेहराबो की शोभा है और लम्बाई तरफ 14 थंभो में 13
मेहराबें आई हैं। 1250 कोस में एक मेहराब की शोभा है।

बंगलजी – पुखराजी ताल में गिरती 4 धराओ की शोभा (पचिम की देहलान से)

बंगलजी – पुखराजी ताल में गिरती 4 धराओ की शोभा (पचिम की देहलान से)

बंगलजी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

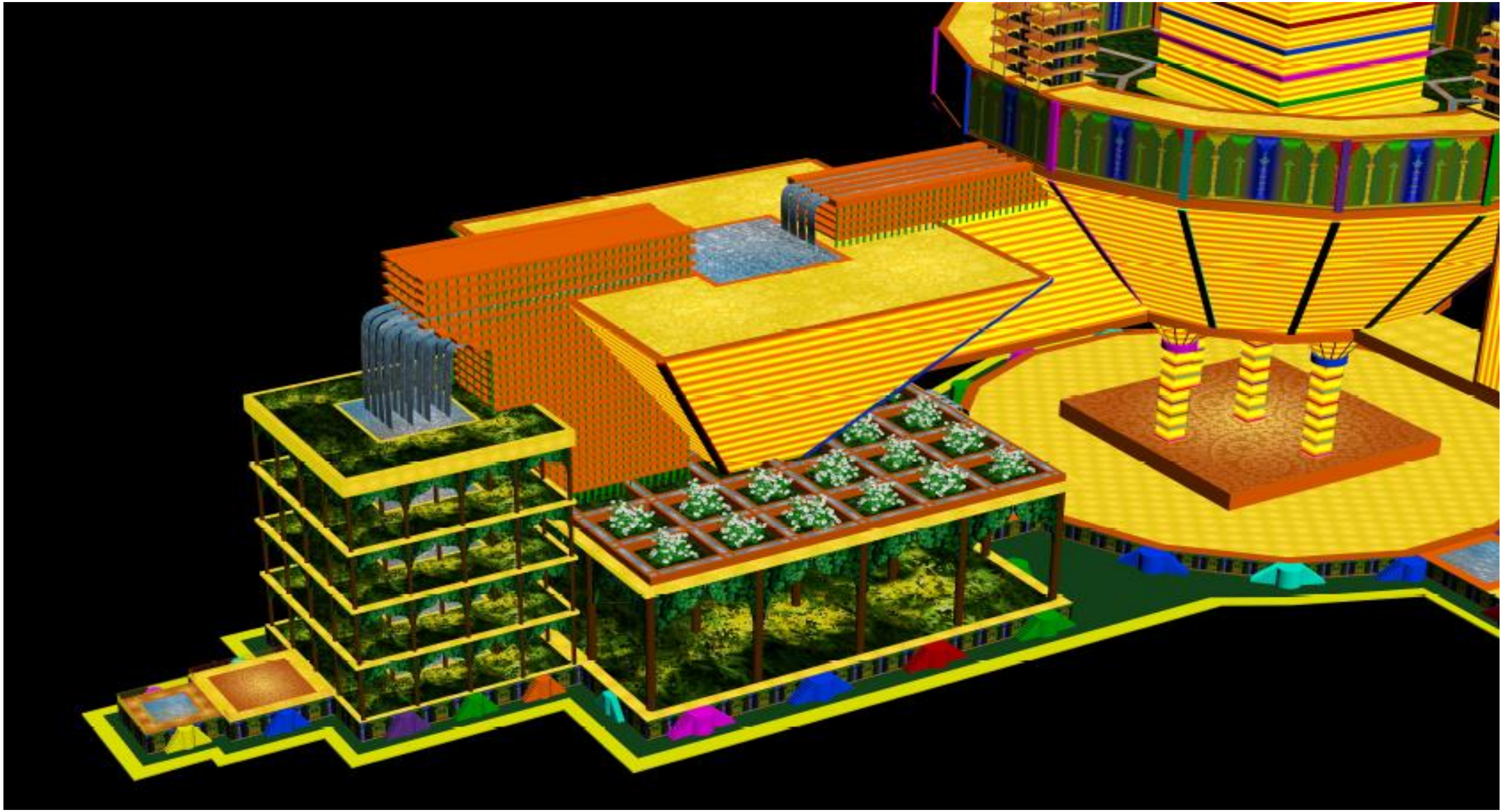

चांदनी
आकाशी महल
पुखराज की चांदनी में बगीचे
महावन
उत्तर व पश्चिम की घाटी (सीढ़ियाँ)
हजार हांस के महल
4 धाराएँ
पुखराजी ताल
पुखराज का चबूतरा
घाटी का चबूतरा
16 धाराएँ
अधबीच का कुण्ड
5 पेड़

West
पश्चिम
North-West
वायव्य कोण
North
उत्तर
North-East
ईशान कोण
East
पूर्व
South-East
अग्नि कोण
South
दक्षीण
South-West
नैऋत्य कोण
Rang Mahal
रंगमोहोल

गुरज दोऊ के बीच में, गिरत चादरें चार ।
चार चार हर एक में, उतरत सोले धार ॥
सो परत बीचले कुंड में, इत चारों तरफों देहेलान ।
ए सुख कब हम लेयसी, इन मेले साथ मेहेरबान ॥

ए जो खूब खुसाली सूरतें, सो सब रूहों के दिल।
ए जो हर रूहों के आगे खड़ी, बांध अपनी मिसल।। परि. 14/79
ए जो दुनियां खेल कबूतर, साहेबी आगूं रूहन।
ए खरगोस रूहों के दिल का, लड़े साथ अर्स फीलन।। परि. 14/82
बड़ी बैठक इन चबूतरे, अति खूबी तिन पर।
इत खूबी खुसाली होत है, जब खेलें बड़े जानवर।। परि. 30/57
देखो बन्दर खेल अर्स में, बड़ा देख्या अचरज ए।
ए खूबी खुसाली क्यों कहूं, हक हादी आगूं होत है जे।। परि. 34/96
और आसिक वाहेदत के, इन हूं बड़ी पेहेचान।
एही खूब खेलौनें हक के, मुख मीठी सुनावें बान।। सिन. 20/86
खूबी खुसाली पूरन, सुन्दर सोभा चित्रामन।
नैन श्रवन या चोंच मुख, गान करें निस दिन।। सिन. 20/87
देख दुनी देखो अर्स को, कई रंगों सोभें जानवर।
सुख सनेह खूबी खुसाली, कई मुख बोलत मीठे स्वर।। सिन. 21/68

Sahoor

OR

Quiz